

पाठ — 1

1. छत, घर, रथ, फल, जल  
कलम, अमन, महल, महक, सड़क  
बरगद, बटन, दमकल
2. टमटम, फल, नमक  
बरतन, थरमस, भवन
3. र + न  
अ + ब  
श + ह + र  
क + स + र + त  
ट + म + ट + म  
सड़क महल  
कलष अदरक  
उबटन बरगद
4. ह + ल = हल

पाठ — 2

1. राम, साफ, काम, ताला, गाजर, भगवान
2. स्वयं कीजिए।
3. स्वयं कीजिए।
4. चावल, मानस  
पालक, सबका  
आकाष, कमला

पाठ — 3.

1. दीदी, बकरी, धरती, सरिता, किसान, बीरबल
2. आम, किताब, कपड़ा, बाजा, कार
3. स्वयं करें।

पाठ — 4

1. सूरज, तुलसी, मधुर, मूरत
2. गुड़िया, झूला, जामुन, कुर्सी
3. स्वयं कीजिए।

रचनात्मक मूल्यांकन — 1

1. फल, भवन, थरमस
2. टमाटर, मछली, ताला, गिलास
3. आम, भाला, माली, बकरी
4. कटहल, शलजम
5. आम, आड़ू, गीता, माली, सीता
6. दूध, झूला, सूरत

पाठ — 5

1. थैला, भैया, ढोल, रेल, मैना, मेहनत  
देवता, मैहान, सैनिक, बैजनाथ
2. शेर, बेर, थैला, पैसा
3. स्वयं कीजिए।

पाठ — 6

1. मोर, चौकी मौसी, मौजूद, गोपाल, खिलौना, औषधालय
2. कोयल, लौकी, खिलौना, टोकरी
3. खरगोष, नौकर, धोबी, फौजी, तोता, कोयल
4. स्वयं कीजिए।

पाठ — 7

1. दाँत, काँच, साँप, अंगूर, बंदर
2. ऊँट, बंसी, झंडा, हँस
3. स्वयं कीजिए।
4. माँद, पूँछ, गाँव, पाँच, चांटा

पुनः, स्वतः, प्रातः, अतः, शनैः

पाठ – 8

- कृपाण, ग्रह, अमृत, गृह, अर्चना, प्रणाम
- ड + ण + म                      क + ण + प + ण  
प + ण + थ + क                प + ण + क + ण + ष  
ट + ण + क                      प + ण + स + ण + द  
   म + ण + ण + ग
- स्वयं करें।

पाठ – 9

- त्याग, कच्चा, पक्का, पट्टा, अच्छा, नन्हा
- आश्रम, कान्हा, मक्का, स्वच्छ, ब्रह्मांड  
रचनात्मक मूल्यांकन –

- टमाटर, लौकी, चाँद
- पतंग, छः, दर्पण, पत्ता
- ब्रह्मांड, मक्का, विघ्न, कान्हा
- ओला, भोला, गौरव, सौरव, मोल
- चकमक, अजगर
- प्रकाश, कर्म, पर्वत, अर्चना, प्रेम, भ्रम  
संकलित मूल्यांकन –1

- छत, फल, अमन, सडक, पलटन, माला, बीरबल  
किसान, सूरत तुलसी, खेल, सैनिक, औषधालय
- (क) कपड़ा (ख) बाजा (ग) झंडा (घ) हंस
- स्वयं कीजिए।
- खेल, मेल, रेल, बेमेल  
मैया, भैया, सैनिक, मैना, रैना
- अट्टा, कट्टा  
अच्छाए कच्छा  
सप्त  
अद्धा, बुद्ध  
अन्न, धन्न  
सत्य, कृत्य  
ब्रह्म

पाठ – 10 खण्ड – क

- (क) बालक भगवान से विनती कर रहे हैं।  
(ख) वे पढ़-लिखकर महान बनना चाहते हैं।  
(ग) वे भारत माता की सेवा करना चाहते हैं।
- (क) (ii), (ख) (i), (ग) (ii)
- स्वयं कीजिए।  
खण्ड – ख
- (क) बालक ईश्वर से वीर, धीर तथा महान बनने की प्रार्थना कर रहे हैं।  
(ख) भगवान से।  
(ग) धीर से तात्पर्य धैर्यवान बनने से है।
- (क) सुन लो है भगवान ! हम सब बालक हैं।  
(ख) कर जोड़कर हम सब तुम्हारा ही गुणगान।  
(ग) भारत की सेवा दो हमको।
- (क) x (ख) √ (ग) √ (घ) x
- विनती – प्रार्थना, नादान – नासमझ, कर – हाथ, महान – बड़ा
- भगवान, बालक, नादान, महान, सदा, भारत, वरदान
- भगवान – राक्षस, बालक – बूढ़ा, कर – पग, रोज – कभी-कभी

पाठ – 11 खण्ड – क

- (क) बच्चे पार्क में खेल रहे थे।  
(ख) जादूगरनी ने फूँक मारकर आग बुझा दी।  
(ग) वह हथौड़ा लेने घर की ओर गई।

2. (क) (i), (ख) (ii), (ग) (i)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. (क) जादूगरनी ने बच्चों का अपहरण कर लिया।  
(ख) जादूगरनी थी।  
(ग) उन्हें रास्ते में परी मिली।  
(घ) वह काँच की दीवार तोड़ना चाहती थी।
2. (क) विपिन, राहुल  
(ख) आग (ग) दीवार (घ) सुरक्षित
4. (क) (✓), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓)
5. जादूगरनी, मौका, कैद, दुष्ट, हथौड़ा, सुरक्षित
6. जादूगरनी ने बच्चों को कैद कर लिया।  
बच्चों के चारों ओर सुरक्षा चक्र था।  
जादूगरनी दुष्ट थी।  
दीवार बहुत ऊँची थी।  
परी बहुत दयालु थी।
7. सवेर, असुरक्षित, गई, नीची।

पाठ — 12 खण्ड — क

1. (क) मोहन तथा सोहन।  
(ख) गाँव में आग लग गई थी।  
(ग) सोहन ने मोहन को कंधे पर बिठाया।
2. (क) (iii), (ख) (i), (ग) (iii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. (क) मोहन पैरों से अपाहिज था तथा सोहन अंधा था।  
(ख) मोहन सोहन आग में फँस गए थे।  
(ग) दोनों को एक तरकीब सूझ गई।  
(घ) सोहन ने मोहन को कंधे पर बैठा लिया। मोहन सोहन के रास्ता बताया गया। इस प्रकार दोनों की जान बच गई।
2. (क) दोस्त (ख) अपाहिज अंधा (ग) तरकीब (घ) रास्ता (ङ) सहयोग
3. (क) (×), (ख) (✓), (ग) (×), (घ) (✓)
4. बहुत, निर्धन अपाहिज, विचार
5. अचानक आग लग गई थी।  
आपसी सहयोग अच्छी बात होती है।  
मोहन अपाहिज था।  
रात गुजार ली।
6. अनेक, रात, जल, धनी

पाठ— 13 खण्ड — क

1. (क) सुभाष चंद्र बोस गाँधी जी के विचारों से प्रभावित थे।  
(ख) यह नारा सुभाष चंद्र बोस ने दिया  
(ग) वे भारत के सच्चे व निडर पुत्र थे।
2. (क) (i), (ख) (ii), (ग) (ii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. (क) सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा में हुआ था।  
(ख) उनका विचार था कि भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद करने के लिये सशस्त्र लड़ाई जरूरी थी।  
(ग) सन् 1945 में उन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी फौज के साथ अंग्रेजों से लड़ाई की।
3. (क) स्वतंत्रता (ख) नेता जी (ग) सच्चे निडर  
(क) (✓), (ख) (×), (ग) (✓), (घ) (×), (ङ) (✓)
4. सेनानी, प्रभावित, कार्यकर्ता, वायुयान, उद्देश्य, फौज
5. वे भारत के सच्चे सपूत थे।  
वे भारत की आजादों के लिए लड़े।  
वे कांग्रेस के कार्यकर्ता थे।

यह नारा बहुत प्रभावित था।  
वे एक स्वतंत्रता सेनानी थे।  
भारत मेरा देश है।  
वे गांधी की बातों से प्रेरित हुए।

6. मरण, अंत, बूढ़ा, परदेश, झूठा, डरपोक

रचनात्मक मूल्यांकन -3

1. भोला, हाथ, छल, उपहार, उठा कर ले जाना, बुरा,
2. (क) भगवान (ख) घंटी (ग) हथौड़ी (घ) बापू
3. स्वयं कीजिए।
4. एकता से हमारी शक्ति बढ़ जाती है।
5. गाँधी जी ने भारत को आजाद कराया।  
वे आजादी के लिए कई बार जेल गए।  
उन्होंने आजादी के लिए कई आंदोलन किया।  
गांधी जी भारत के सच्चे सपूत थे।

पाठ - 14

खण्ड - क

1. (क) बाजार के रंग सस्ते व खराब होते हैं।  
(ख) बाजार के रंग लगाने से त्वचा खराब हो जाती है।  
(ग) माँ ने सभी को मिठाई खिलाई।
2. (क) (iii), (ख) (ii), (ग) (i)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड - ख

1. (क) राजू ने माँ से गुलाब व रंग लाने के लिए पैसे मांगे।  
(ख) बाजार के रंग खराब होते हैं।  
(ग) काला रंग शरीर को नुकसान पहुँचाता है।  
(घ) होली रंगों का त्योहार है।
2. (क) होली (ख) सस्ते, खराब (ग) शरीर (घ) फूलों (ङ) माँ
3. (क) (i) (ख) (x) (ग) (ii)
4. त्योहार, शरीर, गुलाल, होली, पिचकारी, परन्तु
5. होली रंगों का त्योहार है।  
हमें प्रेम से रहना चाहिए।  
फूल सुंदर होते हैं।  
वह मेरा मित्र है।
6. नफरत, बाप, शत्रु, दुखी।

पाठ - 15

खण्ड - क

1. (क) काला कौआ, डॉ. हरिवंश राय बच्चन  
(ख) कौआ साबुन लेकर भागा।
2. (ग) क्योंकि वह काला ही था।
3. (क) (i), (ख) (ii), (ग) (ii)
4. स्वयं कीजिए।
1. (क) हँस को देखकर कौआ अपने काले रंग को देखकर षरमाया।  
(ख) वह उजला होने के लिए सोचने लगा।  
(ग) क्योंकि वह साबुन लगाने पर भी उजला नहीं हुआ था।
2. स्वयं कीजिए।
3. कौआ सोचने, साबुन गुसल खाना
4. काला - कौआ, उजला - हँस, साबुन, - गुसलखाना
5. भूरा, सफेद, कम, रात, दूर, पराया

पाठ - 16

खण्ड - क

1. (क) कुत्ते का नाम टामी था।  
(ख) एक रोटी।  
(ग) कुत्ते को लालच का फल मिला।

2. (क) (ii), (ख) (i), (ग) (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. (क) राखी को रोटी मिली।

(ख) उसने अकेले के बैठकर रोटी खाने की सोची।

(ग) लालच बुरी बला है।

2. (क) परछाई, (ख) पानी, (ग) लालच, (ग) बुरा

3. (क) (✓), (ख) (×), (ग) (✓)

4. कुत्ते, मुँह, बिस्कुट, खुशी, दुआ, बुरी

5. 5 गम, उठना, बड़ा, अकलमंद, ऊपर, पीछे।

पाठ – 17

खण्ड – क

1. (क) वन में एक खरगोष तथा एक कछुआ रहते थे।

(ख) खरगोष ने दौड़ लगाने को कहा।

(ग) खरगोष पेड़ के नीचे आराम कर रहा था।

2. (क) (ii), (ख) (i), (ग) (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. (क) खरगोष को अपनी तेज दौड़ का घमंड था।

(ख) वह कछुआ के पास गया।

(ग) कछुआ लगातार चलता रहा।

(घ) खरगोष अपने घमंड के कारण हार गया।

2. (क) खरगोष, कछुआ

(ख) हालचाल

(ग) सो

3. (क) (✓), (ख) (×), (ग) (✓)

4. विजयी, मुझसे, कछुए, इसलिए

5. यह वन बहुत घना है।

कछुआ को बहुत घमण्ड था

कछुआ दौड़ में विजयी रहा।

खरगोष दौड़ हार गया था

6. मैदान, रात, वहन, निडर, पौधे हार

पाठ – 18 खण्ड – क

1. (क) कविता का नाम 'ठीक समय'

कवि का नाम सोहन लाल द्विवेदी

(ख) स्वयं बताइए।

2. (क) (i), (ख) (iii), (ग) (ii), (घ) (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. (क) ठीक समय पर उठने से हम बड़े आदमी बन जाते हैं।

(ख) ठीक समय पर उठना, नहाना, खाना, पढ़ना, गाना व मौज उड़ाना चाहिए।

(ग) सब काम ठीक समय पर करने से।

2. पर खाना खाओं

ठीक समय पर

मौज उड़ाओ

ठीक समय पर

3. खाना – खाओं, पढ़ने – जाओ, गाना – गाओं, बड़े – कहलाओ

4. पढ़ना, ठीक, मौज, गाना, मौज

5. छुख छोटा गलत

6. रोना कभी-कभी, असमय

रचनात्मक मूल्यांकन – 4

1. सफेद, लड़ाई अचानक, मैदान

रोजाना, मस्ती

2. (क) (iii), (ख) (iii), (ग) (ii), (घ) (iii), (ङ) (i)
3. स्वयं कीजिए।
4. लालच करने से नुकसान हो जाता है।
5. घमंड करके हम दूसरों का अपमान कर देते हैं जो एक बुरी बात है।

संकलित मूल्यांकन -2

1. (क) धीर का अभिप्राय धैर्यवान बनना होता है।  
(ख) मोहन लंगड़ा था व सोहन अंधा। मोहन सोहन के कंधे पर बैठकर उसे रास्ता बताता गया व सोहन उसे लेकर आग से निकल आया।  
(ग) 1945 में उन्होंने अपनी फौज के साथ अंग्रेजों से लड़ाई की।  
(घ) कौआ सोचने लगा कि मुझे भी उजला होना चाहिए।  
(ङ) त्वचा खराब हो जाती है।  
(च) हर कार्य ठीक समय पर करके।
2. (क) फूलों, (ख) लालच, (ग) कछुआ, खरगोश, (घ) विजय, (ङ) आग
3. (क) (×), (ख) (√), (ग) (√), (घ) (√), (ङ) (×), (च) (√)
4. ईश्वर जमीन, जीत  
वृक्ष भय विजय
5. असुरक्षित, नीची, रात  
कम, विदेश, बुराई
6. कागा, बुरी, बला, टामी, जादूगरनी
7. रवि एक साहसी लड़का था।  
हमें देश की सुरक्षा करनी चाहिए।  
सदा सत्य बोलो।  
ठीक समय पर सब कार्य करें
8. सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता सेनानी थे।
9. उन्होंने आजादी के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी।  
वे गांधी जी के विचारों का सम्मान करते थे।  
उन्होंने आजाद हिंद फौज बनाई।  
उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी।  
उनका नारा था –“तुम मुझे खून दो,  
मैं तुम्हें आजादी दूंगा।”

पाठ – 1 (क) रामनरेश त्रिपाठी

(ख) चिड़ियाँ

(ग) छम – छम

(घ) मैदानों में वन बागों में

2. क (i) (ख), (ii), ग (ii)

3- स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. (क) चिड़ियाँ सुबह उठकर खुशी के गीत गाती हैं।

(ख) जब छम-छम बूँदे गिरती हैं।

(ग) प्रभो

2. बहुत सुबह चिड़ियाँ उठकर

जब गीत खुशी

दरवाजे खोल खोल

खुषबू की लहरें

दौड़ लगाती हैं।

3. क (iii), (ख) (ii), ग (ii), (घ) (v), (ङ) ()

4. (i), (v), (vi), (viii), (x), (xii)

5.(i) शाम (ii) गम (iii) बदबू (iv) गर्म

6.(i) प्रातः (ii) दुनिया (iii) जंगल (iv) भगवान

पाठ – 2

खण्ड – क

1. क. वह रामपुर गाँव में रहता था।

ख. उसे रास्ते में एक साधु मिला।

ग. कमंडल

घ. मुर्गी के पेट से कोई अंडा नहीं निकला।

2. क. (ii) ख. (ii) ग. (ii) घ. (iii)

खण्ड – ख

1. क. रामदास दयालु व्यक्ति था।

ख. वह दूध बेचकर अपनी रोजी रोटी चलाता था।

ग. रामदास मरी मुर्गी देखकर रोया।

2. क. रामपुर, ख. प्रसन्न, ग. लालच, घ. रामदास, ङ. मुर्गी

3. क (✓), ख. (×), ग. (×), घ. (✓)

4. (i) नाम, (ii) चलाता, (iii) कारण, (iii) लालच

5. I III VII VIII

6. (i) मुर्गा, (ii) पति, (iii), पुरुष, (iv) अच्छी

पाठ – 3

खण्ड – क

1. क. जिससे खतरा हो वह खतरनाक होता है।

ख. काली बिल्ली चूहों को खा जाती है।

ग. कुत्ते को

घ. समझदार

2. क (ii), ख (ii), ग (i), घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. बाजार सब्जी लेने जाना था।

ख. मुर्गी के जाते ही वहाँ काली बिल्ली आई।

ग. कुत्ते के आने की बात सुनकर बिल्ली भाग गई।

2. क. दरवाजा, ख. खतरनाक, ग. मुर्गी, घ. मौसी

3.क (✓), ख (x), ग (x), घ (x)

4.(i) दूर, (ii) अंदर, (iii) सफेद (iv) बड़ा, (v) दिन, (vi) रोना

पाठ –4

खण्ड – क

1. क. गेहूँ के खेत में सारस पक्षी का जोड़ा रहता था।  
ख. सारस के बच्चे छोटे थे।  
ग. भोजन लेकर लौटे।
2. क (iii), ख (i), ग (ii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. गेहूँ के खेत में सारस का जोड़ा रहता था।  
ख. कोई खेत के पास आये तो उसकी कही बात याद रखना।  
ग. फसल पक गई है शाम को गाँव वालों से फसल कटवाने के लिए कहूंगा।  
घ. बच्चों की माँ ने उन्हें समझा दिया था।  
ङ. हमें जल्द ही यह खेत छोड़ देना चाहिए।
  2. क. गाँव, ख. फसल, ग. स्वार्थी, घ. भरोसे, ङ. काम
  3. क (x), ख (√), ग (x), घ (√)
  - 4- (i) निर्भय, (ii) गेहूँ, (iii) जल्दी, (iv) योग्य, (v) प्रबंध, (vi) चिंता
  - 5- (i) अपना कार्य स्वयं कीजिए  
(ii) फसल पक गई है।  
(iii) राम स्वार्थी लड़का है।  
(iv) मुझे पास होने की आशा है।  
(v) उसे मुझ पर भरोसा था।
  - 6- (i) पेड़ों, (ii) अंडों, (iii) बच्चे, (iv) गाँवों, (v) खेतों, (vi) फसलों, (vii) स्थानों, (viii) पक्षियों
  - 7- स्वयं कीजिए।
  - 8- (i) उजाला, (ii) शाम, (iii) चलना, (iv) निराशा, (v) निर्भय, (vi) बड़ा, (vii) छोटी, (viii) भूलना
- पाठ – 5

खण्ड – क

1. क. हिरनी हरे वृक्ष के नीचे चरती है।  
ख. पर्वत ऊँचे हैं।  
ग. जंगल का धरती
2. क (i) ख (ii) ग (iii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. पक्षी राग सुनाते हैं।  
ख. पर्वत, नदिया, पक्षी, हरियाली सबकी बात निराली है।  
ग. बूढ़ी नानी जंगल की रक्षा करती है।  
घ. बाघ, सिंह, हाथी, गैंडा सबको जंगल भाता।
2. .... धरती से बच्चों।  
बड़ा पुराना .....  
..... गैंडे हाथी को  
सारा जंगल .....  
..... हवा जंगल की  
सबकी पीड़ा .....  
..... धरती बच्चों  
रंग बिरंगी .....
3. क (iv), ख (v), ग (ii), घ (i), ङ (iii)
4. (i) बिरंगी, (ii) सबकी, (iii) धरती, (iv) हरियाली, (v) पक्षी, (vi) हाथी
5. (i) पृथ्वी, (ii) पेड़, (iii) पहाड़, (iv) वन, (v) संसार, (vi) शेर
6. (i) पक्षियों, (ii) बच्चा, (iii) नदी, (iv) पर्वतों, (v) जंगलों, (vi) जीव

रचनात्मक मूल्यांकन –1

1. सिरजनहार – कल्याण करने वाले  
निर्भय – निडर  
कमंडल – साधु का भिक्षा पात्र  
सवेरे – सुबह  
सयाना – समझदार



शीघ्र – जल्दी

2. (क) (ii), ख (ii), ग (i), घ (ii)
3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. स्वयं कीजिए।

पाठ – 6

खण्ड – क

1. क. अकबर का प्रिय मित्र बीरबल था।  
ख. नहीं।  
ग. अकबर बीरबल की बात सुनकर लज्जित हुए।
2. क (iii), ख (iii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. अकबर ने पूछा “क्या तुम बैंगन की सब्जी खाते हो?”  
ख. बीरबल ने कहा “जहाँपना, यह सब्जी अच्छी नहीं है। इसका स्वाद बेकार है।”  
ग. क्योंकि बैंगन के सर पर मुकुट था।
2. क. जहाँपना, ख. स्वादिष्ट, ग. सब्जी, घ. सर्वश्रेष्ठ
3. क (✓), ख (×), ग (✓).
4. i. मैं बैंगन की सब्जी नहीं खाता हूँ।  
ii. उसे यह सब्जी पसंद नहीं है।  
iii. इसका स्वाद कैसा है?  
iv. यह खाना बड़ा जायकेदार है।
5. 1. अनेक, 2. नापसंद, 3 धीमा, 4. रोना, 5. दूर, 6. सीधा, 7. दिन, 8. खराब

पाठ – 7

खण्ड – क

1. क. राधा तीसरी कक्षा में पढ़ती थी।  
ख. राधा के दाँत में दर्द रहता था।  
ग. डाक्टर के पास गई।  
घ. राधा के दाँत में कीड़ा लग गया था।
  2. (क) (ii), ख (i), ग (i)
  3. स्वयं कीजिए।
- खण्ड – ख
1. क. क्योंकि राधा के मुँह से बदबू आती थी।  
ख. डाक्टर ने कहा, “तुम्हारे दाँत बहुत गंदे हैं। तुम दाँत साफ नहीं करती हो।  
ग. नहीं तो भोजन ठीक से चबाया नहीं जाता।  
घ. मैं दिन में दो बार दाँत साफ करूँगी।  
ङ. दाँतों की मजबूती के लिए दिन में दो बार दाँत साफ करने चाहिए।
  2. क. तीसरी, ख. दर्द, ग. रो, घ. दाँतों, ङ. स्वस्थ, च. फल, कच्ची
  3. क. (✓), ख. (x), ग. (✓), घ. (✓)
  4. (i). दवाई, (ii). स्वस्थ, (iii). मजबूत, (iv). डॉक्टर, (v). बदबू, (vi). दाँत
  5. i. उसका व्यवहार अच्छा है।  
ii. उसके दाँत में दर्द है।  
iii. मैंने उसका परीक्षण किया है।  
iv. भोजन खाने से पोषण मिलता है।  
v.. यह दवाई बहुत गुणकारी है।
  6. (i). लड़की, (ii). सिढालाती, (iii). भाती, (iv) आती, (v) गुणकारी, (vi) बुलाती
  7. (i) खेल रहा, (ii) परीक्षण किया, (iii) पीना चाहिए।

पाठ – 8

खण्ड – क

1. क. धरती की प्यास काले बादल बुझाते हैं।  
ख. पानी बरसा कर वे फूल खिलाते हैं।  
ग. जब बादल गरजते हैं व बिजली चमकती है तो मोर नाचते हैं।

2. (क) (ii), ख (ii), ग (i), घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. वे पानी बरसा कर धरती की प्यास बुझाते हैं।

ख. प्यास बुझाते हैं।

मोरों को नाचते हैं।

कभी घोड़ा, कभी हाथी बन जाते हैं।

फूल खिलाते हैं।

नदियों में पानी लाते हैं।

बिजली चमकाते हैं।

2. स्वयं कीजिए।

3. (क) (ii), ख (ii), ग (i), घ (ii), ङ (iii)

4. i. मस्ती, ii. हाथी, iii. धरती, iv. बिजली, v. नदी, vi. गरमी

5. i. धटा, ii. गज, iii. पृथ्वी, iv. पुष्प, v. अश्व, vi. हवा

पाठ-9

क. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की पट्टियाँ हैं।

ख. तिरंगा

ग. हॉ

घ. 24 तीलियाँ

ङ. सफेद रंग सच्चाई, पवित्रता और शांति का प्रतीक है।

च. केसरिया रंग की पट्टी ऊपर रहनी चाहिए।

राष्ट्र ध्वज को सब झंडों से ऊपर रहना चाहिए।

राष्ट्र ध्वज फटा या गंदा न हो।

संध्या के समय इसे उतार लेना चाहिए।

हमें इसका सम्मान करना चाहिए।

2. क. (ii), ख. (ii), ग. (i), घ. (ii), ङ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में 24 तीलियाँ नीले रंग की हैं।

ख. हम राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगी के नाम से पुकारते हैं।

ग. राष्ट्रीय ध्वज का चक्र सारनाथ के स्तम्भ से लिया गया है।

2. क. तिरंगा, ख. शांति, ग. खुशहाली, घ. सम्मान

3. क. (✓) ख. (✓) ग. (✓) घ. (✓)

4. iii v vi vii

5. (i) तिरंगा हमारा राष्ट्रीय ध्वज है।

(ii) हमें देश के लिए बलिदान देना चाहिए।

(iii) भारत महान देश है।

(iv) खेतों में हरियाली छाई है।

5 हमें बड़ों का सम्मान करना चाहिए।

6. (i) पट्टियाँ (ii) सैनिकों (iii) बान (iv) तीली

7. (i) अज्ञान (ii) नीचे (iii) अपवित्र (iv) अशंति (v) विदेश (vi) अपमान

रचनात्मक मूल्यांकन – 11

1. सबसे अच्छा कुर्बानी

ढंग हालचाल

आकृति चिन्ह

2. (क) (iii) ख (ii) ग (iii) घ (ii)

3. दाँतो की सुरक्षा करने के लिए हमें दिन में दो बार दाँत साफ करने चाहिए।

दूध पीना चाहिए।

4. स्वयं कीजिए।

5. स्वयं कीजिए

संकलित मूल्यांकन – 1

1. क. वह दूध बेचकर अपनी रोजी रोटी कमाता था।

ख. क्यों कि माँ ने समझा दिया था।

ग. क्योंकि बैंगन के सर पर मुकुट होता है।

घ. जब बादल आते हैं।

ङ. पानी बरसा कर।

च. तीन पट्टियाँ केसरिया, सफेद व हरे रंग की।

2. क. राम दास ख. खतरनाक ग. स्वार्थी घ. सर्वश्रेष्ठ ङ. दाँतों च. सम्मान

3. क. (✓) ख. (×) ग. (×) घ. (×) ङ. (×)

4. जंगल, पुष्प, संसार, घटा, स्कूल, जननी।

5. दिन, अपवित्र, निराशा, निर्भय, नापसंद, अपमान

6. फसल पक गई है।

इसका स्वाद अच्छा है।

इसका व्यवहार अच्छा है।

मेरा देश भारत है।

7. वन – मन, छम – छम बूंदें, नाता – भाता, हरे – भरे।

8. मुर्गी, निर्भय, दवाई तिरंगा।

पाठ – 10

खण्ड – क

1. क. किसी दूर रहने वाले अपने को मन की बात बताने के लिए हम पत्र लिखते हैं।

ख. तोता, शेर, हाथी, चिड़ियाँ, कंगारू।

ग. चिड़िया घर में हाथी, कंगारू, शेर, चिड़िया, तोता, सफेद मोर देखा।

घ. शेर जंगल का राजा होता है।

2. क. (i) ख. (iii) ग. (i) घ. (i) ङ. (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. मधु ने अपनी सखी निषा को पत्र लिखा।

ख. पत्र में चिड़िया घर का वर्णन है।

ग. कंगारू के बारे में।

घ. हाथी की सवारी करने में बहुत आनंद आया।

2. क. चिड़िया ख. मोर ग. थैल घ. शेर

3. क. (×) ख. (✓) ग. (×) घ. (×)

4. (i) घर में एक द्वार है।

(ii) सेब खाने में बड़ा आनंद आया।

(iii) मैंने अपने मित्र को पत्र लिखा।

(iv) कंगारू विविध जानवर।

(v) हाथी मस्त चाल से चलता है।

(vi) अंदर आना मना है।

5. (i) शेरनी (ii) घोड़ी (iii) हथिनी (iv) मोरनी (v) मोर (vi) मैना

6. (i) दिन (ii) चिट्ठी (iii) भूरा (iv) शेर (v) गज (vi) जननी (vii) अतवार (viii) बाप

7. (i) पशुओं (ii) पत्ती (iii) पक्षियों (iv) पिंजरा (v) किले (vi) घोड़ा (vii) तोते (viii) चिड़िया

पाठ – 11

खण्ड – क

1. क. राहुल लोगों को परेशान करता था।

ख. लोगों को परेशान करना रास्ते चलते कुत्तों के पत्थर मारना जैसी गंदी आदतें राहुल में थी।

ग. दादा जी के पास एक हफ्ते की छुट्टी गाँव भेज दिया।

घ. दादा जी की शिक्षा ने उसका जीवन बिल्कुल बदल दिया।

2. क (i) ख (i) ग (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. उसकी बुरी आदतों के कारण।

ख. क्योंकि दादा जी उससे परेशान हो गए थे।

ग. दादा जी ने शिक्षा दी कि बुरी आदतों को शुरुआत में छोड़ना आसान होता है मगर जब मैं वे जड़ पकड़ लेती है तो इन्हें छोड़ना कठिन होता है।

2. क. परेशान ख. शिकायत ग. बगीचे घ. शिक्षा ङ. व्यवहार

3 क (√) ख (√) ग (√)

4 (i) (iii) (v) (vi) (vii) (viii) (ix) (x) (xiii)

5 (i) छुट्टी (ii) आदतें (iii) शैतानी (iv) बेटा

पाठ — 12

खण्ड — क

1. क. कविता के कवि का नाम द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं।

ख. इस कविता से हमें निडर रहकर सदैव आगे बढ़ने की शिक्षा मिलती है।

2. क (ii) ख (i) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. वीर से मतलब निडर बहादुर से है तथा धीर का अर्थ धैर्यवान है।

ख. मनुष्य को कठिनाइयों का सामना वीरता व धैर्य से करना चाहिए।

ग. इन सबसे कवि का तात्पर्य है कि कितनी भी कठिनाई आये। हमें धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।

घ. कवि ध्वज के साथ एक प्रतिज्ञा करके आगे बढ़ते रहना है।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (iii) ख (v) ग (i) घ (ii) ङ (iv)

4. (i) वीर तुम बड़े चलो।

(ii) तिरंगा हमारी ध्वजा है।

(iii) प्रातः काल धूमना चाहिए।

(iv) सच्चा व्यक्ति निडर होता है।

(v) मेरे संग मेरा भाई था।

5. (i) मौसम बहुत सुहावना है।

(ii) खेती में हरियाली छाई थी

(iii) आज होली का त्योहार है।

(iv) मैं सरस्वती की पूजा करता हूँ।

(v) यह उल्लास का दिन है।

6. (i) कपड़ा वस्त्र (ii) नृप (iii) पवन (iv) पुष्प (v) पेड़ (vi) सरस्वती

7. i iv v vi vii ix x xi

रचनात्मक—मूल्यांकन

1- (i) परिवार सहित (ii) स्वागत (iii) नाराजगी (iv) अजीब (v) धैर्यवान (vi) लगन

2- क (iii) ख (v) ग (i) घ (ii) ङ (iv)

3- स्वयं कीजिए।

4- स्वयं कीजिए।

5. (i) कान (ii) सूँड (iii) पैर (iv) दाँत (v) पूँछ (vi) आँठा

पाठ — 14

1. क. नेहरू जी का जन्म इलाहाबाद शहर में हुआ था।

ख. हम 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाते हैं।

ग. नेहरू को बच्चे चाचा कह कर पुकारते थे।

घ. नेहरू 1912 में भारत लौटे।

2. क (i) ख (iii) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

5. (i) कायर (ii) डरपोक (iii) संध्या (iv) तुम

6. (i) सूरज (ii) कर (iii) बहादूर (iv) शेर (v) न्योछावर (vi) बादल

पाठ — 13

खण्ड — क

1. क. भारत वर्ष में छः ऋतुएं होती हैं।

ख. बसंत के मौसम में सभी का मन काम करने को करता है।

ग. बसंत पंचमी प्रकृति का त्योहार है।

2. क (i) ख (iii) ग (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. वसंत ऋतु को ऋतुराज कहते हैं। क्योंकि यह मौसम सबसे सुहावना होता है।

ख. मौसम सुहावना हो जाता है। न अधिक सरदी न अधिक गरमी होती है। स्वास्थ्यप्रद हवा बहने लगती है। हर किसी

का काम करने को मन करता है नया उत्साह व उल्लास पैदा होता है। सब प्रातःकाल उठकर टहलने लगते हैं।

ग. सारे देश में बसंत पंचमी हर्ष व उल्लास से मनाई जाती है।

घ. सब बसंती रंग के कपड़े पहनते हैं।

2. क. छः ख. अंकुर ग. सुहावना घ. बैसाख ङ. प्रकृति

3. क. (√) ख. (√) ग. (×)

4. 1. अंकुर 2. ऋतुराज 3. दिवस 4. कार्यक्रम 5. सरसों 6. बैसाख

खण्ड – ख

1. क. नेहरू का जन्म इलाहाबाद शहर में हुआ था।

ख. नेहरू के पिता का नाम मोतीलाल नेहरू व माता का नाम स्वरूप रानी था।

ग. बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है।

घ. लंदन से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी।

2. क. प्रधानमंत्री ख. वकील ग. 14 घ. तन-मन-धन

3. क (√) ख (√) ग (×) घ (√) ङ (×)

4. (i) पंडित (ii) निरन्तर (iii) निरंतर (iv) नेहरू

5. (i) धनहीन (ii) अंतिम (iii) अपेक्षा (iv) गुलामी (v) असहयोग (vi) दुखी

पाठ – 15

खण्ड – क

1. क. बंदरों का झुंड जंगल से गुजर रहा था।

ख. टिड्डों ने बंदरों को अधिक ताकतवर बनाया।

ग. बंदर टिड्डों से युद्ध करना चाहते थे।

2. क (ii) ख (i) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. जंगल में बंदरों ने अपने एक साथी को मरा हुआ देखा।

ख. वे समझते थे कि टिड्डों ने ही साथी को मारा है।

ग. टिड्डे बंदरों को देखकर हैरान रह गए क्योंकि उन्होंने बंदर को नहीं मारा था।

घ. टिड्डों के नेता ने सूरज निकलने के बाद लड़ाई करने के लिए कहा।

ङ. क्योंकि मूर्ख स्वयं से अधिक समझदार किसी को नहीं समझता।

2. क. झुंड ख. टिड्डों ग. दुष्ट घ. प्रतीक्षा ङ. मूर्ख च. मैदान

3. क (iii) ख (iv) ग (i) घ (ii)

4. (i) दुष्ट (ii) युद्ध (iii) गुजर (iv) मुस्किल (v) हुआ (vi) बहुत

5. (i) यह जंगल बहुत घना है।

(ii) मेरा साथी कहाँ गया ?

(iii) यह देखकर वह हैरान था।

(iv) अब युद्ध निश्चित है।

(v) बंदर मूर्ख थे।

6. (i) वन (ii) मित्र (iii) भ्राता (iv) संध्या (v) सूर्य (vi) क्रोध

7. (i) बंदरों (ii) साथियों (iii) झुंडो (iv) टिड्डे (v) नेताओं (vi) भाईयों

8. (i) गम (ii) आज (iii) शाम (iv) संभव (v) ठंडा (vi) पतली

पाठ – 16

खण्ड – क

1. क. एक गाँव में बरगद के पेड़ पर एक गिलहरी व एक कौआ रहते थे।

ख. कौआ आलसी था।

ग. गिलहरी

घ. मेहनत का फल बहुत मीठा होता है।

2. क (i) ख (ii) ग (i) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. गिलहरी ने कहा, 'हाँ भाई तुम सही कहते हो, हमें मेहनत करके अनाज पैदा करना चाहिए।'।

ख. गिलहरी खेत जोतने गई।

ग. क्योंकि उसका सारा अनाज पानी में बह गया था।

2. क. कौआ ख. मित्रता ग. बादल घ. गिलहरी

3. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (✓)

4. i vii viii

5. (i) मेरी मधु से मित्रता है।

(ii) कौए का अनाज पानी के बह गया था।

(iii) मेहनत का फल बहुत मीठा होता है।

(iv) कौआ आलसी था।

(v) वर्षा हो रही थी।

6. (i) शत्रुता (ii) पूरा (iii) बुरा (iv) आलसी (v) दुखी (vi) खट्टा

7. (i) वृक्ष (ii) भ्राता (iii) मोर (iv) नभ (v) घटा (vi) जल

8. (i) खेतों (ii) कोषिषें (iii) गिलहरियाँ (iv) कौए (v) दिनों (vi) पौधे

पाठ – 17

खण्ड – क

1. क. कोयल का रंग काला होता है।

ख. कोयल प्रीत का राग सुनाती है।

ग. कोयल मीठी वाणी का मूलमंत्र सबको सिखती है।

2. क (iii) ख (i) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ब

1. क. कोयल की वाणी मीठी होती है

ख. हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए क्योंकि मीठी वाणी सबको सुहाती है।

ग. वह सबको मीठी वाणी का मूलमंत्र सिखाती है।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (iii) ख (i) ग (iv) घ (ii)

4. (i) हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

(ii) भगवान हमें सफलता का वरदान दो।

(iii) यह अमृत है।

(iv) पर निन्दा से दूर रहे।

5. (i) मन-मस्तिष्क (ii) बोली (iii) वर (iv) अमृत

6. (i) अवगुण (ii) अंधेरा (iii) शाप (iv) विष

रचनात्मक मूल्यांकन

1. संग्राम – युद्ध, दुर्गुण – अवगुण, प्रतीक्षा – इंतजार, हराम मुफ्त का निराई – पानी देना एकत्र करके।

2. क (i) ख (i) ग (i) घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

4. स्वयं कीजिए

5. स्वयं कीजिए।

संकलित – मूल्यांकन

1. क. दादा जी राहुल को एक पौधे उखाड़ने को ले गए।

ख. धैर्य के साथ

ग. मौसम सुहाना होता है फूल खिलते हैं।

घ. लंदन में

ङ. वे समझते थे कि टिड्डों ने हमारे साथी को मारा है।

च. मीठी वाणी क्योंकि मीठी सबका मन मोह लेती है।

2. क. शेर ख. सीख ग. मस्ती घ. प्रधानमंत्री ङ. टिड्डों च. मित्रता

3. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (×) ङ (✓)

4. दिवस, वन, बहादूर, जल, पेड़, अमृत

5. कायर, गाँव, डरपोक, आग, असहयोग, जहर

6. बोलो – धोलो, गरजते – बरसते, दूर – चूर, ताकतवर – शक्तिशाली

पाठ – 1

खण्ड – क

1. क. भौरा ख. भोर का गीत ग. तितली
2. क (i) ख (i) ग (ii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. सवेरा होते ही चिड़ियाँ चहकें, कालियाँ महकी, भौरा आया, दुनिया जागी।  
ख. जो देर तक सोता है।  
ग. सुबह का दृश्य खो जाता है।
2. स्वयं कीजिए।
3. क (v) ख (iv) ग (ii) घ (i) ङ (iii)
4. (i) चहकी (ii) कलियाँ (iii) नित्य (iv) सवेरे (v) हवा

पाठ – 2

खण्ड – क

1. क. सेठ से  
ख. हरीष ने कहा।  
ग. सेठ को मोहन ने सबक सिखाया।
2. क (ii) ख (ii) ग (ii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. सेठ को नए-नए बर्तन खरीदने का शौक था।  
ख. सेठ कोई ना कोई बहाना बनाकर दुगने पैसे ऐंठता था।  
ग. सेठ ने उससे माँगे थे।  
घ. सारे बर्तन भर गए।
2. क. बर्तन ख. उत्सव ग. बच्चे घ. चालकी ङ. उधार च. घबरा
3. क (√) ख (√) ग (√) घ (×)
4. (i) दुगने (ii) जन्म (iii) बर्तन (iv) उत्सव (v) विवाह (vi) ऐंठ
5. (i), (ii) (iii), (iv), (v) (vi) (ix)

पाठ – 3

खण्ड – क

1. क. वह बगिया में टहल रहे थे।  
ख. हँस को देवदत्त ने तीर मारा था।  
ग. हँस सिद्धार्थ के पास गया।
2. क (i) ख (i) ग (ii) घ (ii) ङ (i)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. आकाश में लालिमा फैली थी पक्षी चहचहा रहे थे।  
ख. उन्होंने हँस के शरीर से तीर निकाल कर घाव पर मरहम लगा कर पट्टी बाँध दी।  
ग. महाराज से।  
घ. महात्मा बुद्ध ने प्रेम शान्ति व अहिंसा का पाठ दुनिया को पढ़ाया।
2. क. राजमहल ख. घायल ग. मरहम घ. देवदत्त ङ. प्रेम, शान्ति अहिंसा
3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (i) ङ (iii)
4. स्वयं कीजिए।
5. (i) दिन (ii) अषांति (iii) उधर (iv) अहिंसा (v) गरमी
6. (ii) (iii) (√) (viii)
7. (i) आकाश (ii) पशु (iii) हंस (iv) जल (v) गुस्सा (vi) नृप (vii) पेड़ (viii) प्यारे
8. (i) निर्दोष (ii) गगिया (iii) सिद्धार्थ (iv) लहलुहान
9. (i) आषा मेरे विद्यालय में पढ़ती है।  
(ii) हमे कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?  
(iii) क्या तुम उसे जानते हो।  
(iv) पापा बाजार से फल लाए।

पाठ — 4

खण्ड — क

- क. क्योंकि नदी में एक बलशाली मगरमच्छ रहता था।  
ख. हाथियों का सरदार घमंडी था।  
ग. सरदार का पैर मगरमच्छ ने पकड़ा।  
घ. बुजुर्ग ने कहा था कि मुसीबत में भगवान स्मरण करना चाहिए।

- क (i) ख (ii) ग (iii)

- स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

- क. चित्रकूट पर्वत की तराई में हाथी रहते थे।  
ख. यही कि मुसीबत के समय भगवान को याद करना चाहिए।  
ग. मगरमच्छ ने  
घ. भगवान ने हाथी का पैर छुड़वाया।
- क. चित्रकूट ख. नदी ग. घमंड घ. भगवान ङ. बड़ों
- क (x) ख (√) ग (√) घ (√)
- (i) चित्रकूट (ii) शक्तिशाली (iii) बुजुर्ग (iv) मगरमच्छ (v) मुसीबत (vi) घमंड
- (i) पहाड़ (i) गज (i) सरिता (i) ईश्वर  
रचनात्मक मूल्यांकन

- नजारा — दोष रहित

छीनना — झुकना

तुरन्त — क्षण

- क (i) ख (ii) ग (iii) घ (iv)

- स्वयं कीजिए।

- स्वयं कीजिए।

- स्वयं कीजिए।

पाठ — 5

खण्ड — क

- क. सुरेन्द्र षर्मा  
ख. पेड़ प्राण वायु देते हैं।  
ग. प्रत्येक व्यक्ति का फर्ज है कि एक पेड़ लगाए।
- क (i) ख (i) ग (i)
- स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

- क. पेड़ लगाने से देश हरा भरा बनता है।  
ख. पेड़ हमें प्राण वायु देते हैं।  
ग. मिल कर पेड़ लगाने की कसम खाएं।  
क ( ) ख ( ) ग ( ) घ ( ) ङ ( )
- स्वयं कीजिए।
- क (v) ख (iv) ग (ii) घ (i) ङ (iii)
- क (i) ख (iii) ग (v) घ (vi) ङ (vii)
- (i) विदष (ii) अस्वच्छ (iii) अस्वस्थ (iv) अधिक (v) घटते (vi) जाओ (vii) मृत्यु (viii) अल्पायु

पाठ — 6

खण्ड — क

- क. धर्म चर्चा के बाद गुरु गोविन्द सिंह को प्यास लगी।  
ख. गुरु गोविन्द सिंह ने कहा कि तुम्हारे हाथ तो बड़े कोमल हैं। यह सुनकर षिष्य को प्रसन्नता हुई।  
ग. परिश्रम करने से पवित्रता प्राप्त होती है।
- क (i) ख (i) ग (iii)
- स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

- क. षिष्य धर्म चर्चा को ध्यान से सुन रहे थे।  
ख. कोई पवित्र हाथों से मेरे लिए पानी लाए।  
ग. क्योंकि वे हाथ श्रम नहीं करते थे।  
घ. हमें शिक्षा मिलती है कि हमें श्रम करना चाहिए।



2. क. गुरु गोविन्द सिंह ख. प्रषंसा ग. स्वर
  3. क (x) ख (v) ग (x) घ (v)
  4. धारा, प्रवाह, पवित्र, निर्मल, चर्चा, प्रषंसा, गर्व, प्रसन्नता, श्रम, प्राप्त
  5. (i) कोमल (ii) गिलास (iii) निर्मल (iv) गुरुदेव (v) पवित्र (vi) पानी
  6. (i) अधर्म (ii) शुरु (iii) अपवित्र (iv) कठोर
- पाठ – 7

खण्ड – क

1. क. कौरवों व पांडवों के बीच युद्ध चल रहा था।  
ख. कर्ण सेनापति थे।  
ग. कृष्ण की आज्ञा से अर्जुन ने बाण मारा।  
घ. दानवीरता थी बातें।  
ङ. उन्होंने साधु का वेष धारण किया।

2. क (i) ख (iii) ग (iii) घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. अर्जुन व कृष्ण ने साधुओं का वेष धारण किया।  
ख. वे कर्ण की दानशीलता की परीक्षा लेना चाहते थे।  
ग. अपना सोने का दाँत तोड़ कर उन्हें दे दिया।  
घ. कर्ण की दानशीलता देखकर उनकी आँखों से अश्रु बहने लगे।  
ङ. अपने गुरु परशुराम के श्राप से वे धनुर्विद्या भूल गये।
  2. क. पहिया ख. मरणासन्न ग. दानशीलता घ. दानवीर ङ. सोने
  3. क (v) ख (v) ग (v) घ (v)
  4. (i) कौरव (ii) पहिया (iii) अर्जुन (iv) भिक्षुक (v) अवस्था (vi) श्राप (vii) विचार (viii) दानवीर
  5. (i) पांडवों (ii) कौरवों (iii) बाणों (iv) पहिये (v) साधुओं (vi) आँखे (vii) पत्थरों (viii) सेनापतियों
- पाठ – 8

खण्ड – क

1. क. नम्र बनने का संदेश बादल दे रहा है।  
ख. सूरज के जगने से पहले जग जाओ।  
ग. सागर कहता है गंभीर बनो मर्यादा ना भूलो, धीर बनो।
2. क (ii) ख (i) ग (iii) घ (i)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. बादल झुक जाने तथा नम्र बनने को कहता है।  
ख. सारा जग जगमग कर दें।  
ग. वे जल्दी उठकर काम पर लग जाने को कहते हैं।  
घ. सागर गंभीर बनने के लिए मर्यादा न भूलने तथा धीर बनने का संदेश देता है।
2. स्वयं कीजिए।
3. क (iii) ख (v) ग (ii) घ (i) ङ (vi) च (iv)
4. (i) हमें अहंकार नहीं करना चाहिए।  
(ii) हमें निराश नहीं होना चाहिए।  
(iii) सुधील बनो।  
(iv) श्रम में विष्वास रखो।  
(v) जग को रोषन करो।
5. (i) बदरा (ii) पक्षी (iii) दिल (iv) नदी (v) सूर्य (vi) रास्ता
6. (i) सरिता (ii) व्यर्थ (iii) निर्झर (iv) उजियारा (v) शीतल (vi) गतिशील

रचनात्मक मूल्यांकन – 11

1. आक्सीज – खो जाना

लगातार .....

अभिशाप अपने आप

2. क (i) ख (i) ग (i) घ (i)
3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. स्वयं कीजिए।

1. क. जो सोता रहता है।

ख. क्योंकि वह बर्तनों का दुगना किराया वसूलता था।

ग. हंस का तीर निकाला, मरहम लगाया।

घ. पेड़ हमें आक्सीजन देते हैं।

ङ. क्योंकि वह पवित्र नहीं था

च. वे कर्ण की दानशीलता की परीक्षा लेना चाहते थे।

2. क. बर्तन ख. राजमहल ग. चित्रकूट घ. गुरु गोविन्द सिंह ङ. पहिया

3. क. (√) ख (×) ग (×) घ (√)

4. प्रतिदिन, सरिता, बादशाह, रास्ता, अचल, पक्षी, गुस्सा, जल, पहाड़, गज

5. अल्प आयु, शुरू, जिंदगी, जाओ, अधर्म, अपवित्र, दिन, अहिंसा, अस्वच्छ, अल्प आयु

6. तितली, निर्मल, बर्तन, अर्जुन, षक्तिशाल, श्राप, दर्शन, आलस, कोमल, गुरुदेव

पाठ – 9

खण्ड – क

1. क. नाटक में क्रिसमस के त्योहार की बात की गई है।

ख. बूढ़ा व्यक्ति बालक से खाने को मांगता है।

ग. दरबाजा खोलते ही बालक ने सामने बूढ़े व्यक्ति को पाया।

घ. बालक ने बूढ़े व्यक्ति को केक दे दिया।

2. क (i) ख (ii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. बालक उदास था क्योंकि उसके माता पिता नहीं थे। वह क्रिसमस मनाना चाहता था।

ख. बालक को रास्ते में एक बूढ़ा व्यक्ति मिला।

ग. देवदत्त ने बालक से कहा कि दूसरों के साथ खुशियाँ बाँटना ही क्रिसमस का सही अर्थ है।

2. क क्रिसमस ख. केक ग. भगवान घ. निर्धन, बेबस, लाचार ङ. भूख

3. क (√) ख (×) ग (×) घ (×) ङ. (×)

4. (i) आज क्रिसमस का त्योहार है।

(ii) गरीब की मदद करनी चाहिए।

(iii) वह बहुत निर्धन था।

(iv) आज मैं बहुत बेबस हूँ।

(v) एक नेक काम रोज कीजिए।

5. (i) बुढ़िया (ii) बालिका (iii) दादी (iv) पिता (v) बच्ची

6. (i) देर (ii) काला (iii) खुश (iv) धनी (v) कम (vi) बढ़

7. (i) निर्धन (ii) देवदत्त (iii) जल्दी (iv) रुपये (v) खुश (vi) क्रिसमस

पाठ – 10

खण्ड – क

1. क. कौआ पेड़ पर रहता था।

ख. कौए की दोस्ती बगुले से हुई।

ग. बगुला।

2. क (i) ख (ii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. क्योंकि वे एक नदी के किनारे पर ही रहते थे।

ख. आकाश से बगुला अपनी चोंच पानी में डूबो कर मछली पकड़ लेता था।

ग. क्यों उसने भी बगुले की तरह मछली पकड़ने की कोशिश की थी।

2. क. मछलियाँ ख. निगाह ग. आसमान घ. कौए ङ. मुषिकल

3. क (i) ख (ii) ग (iii)

4. (i) मुष्किल (ii) समान (iii) नमस्कार (iv) मछलियाँ

5. (i) रामू ने पापा को नमस्कार किया

(ii) भोजन की व्यवस्था कीजिए।

(iii) उसने बहुत फुरती दिखाई।

(iv) वह बहुत मुषिकल में भी।

6. (i) कौए (ii) मछलियाँ (iii) बगुले (iv) नदियाँ (v) दिनों (vi) बेलों।

7. (i) नमस्ते (ii) निपुण (iii) नजर (iv) तुरन्त

8. (i) भय – डर (ii) धन्यवाद – शुक्रिया (iii) मदद – सहायता (iv) व्याकुल – बैचैन (v) अच्छा – बढ़िया (vi) खोना – गवाँना  
पाठ – 11

खण्ड – क

1. क. भारत में अंग्रेजों का राज्य था।

ख. गाँधी जी, नेहरू, सरदार पटेल, राजेन्द्र प्रसाद आदि।

ग. भगतसिंह के पिता व दो चाचा उसके जन्म के समय जेल से रिहा हुए थे।

घ. भगतसिंह का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा है।

2 क (iii) ख (i) ग (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. वे अंग्रेजों को भारत से जाने के लिए विवश करना चाहते थे।

ख. भगतसिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को हुआ था।

ग. भगतसिंह ने देश सेवा में लगे रहने के कारण विवाह नहीं किया।

घ. उन्होंने अंग्रेजों को डराने के लिए व अपना विरोध दर्ज कराने के लिए बम फेंका था।

ङ. भगतसिंह के जीवन से हमें देश पर मर मिटने की शिक्षा मिलती है।

2. क. भारत माता ख. नवयुवक; व्याकुल ग. वायसराय घ. भगतसिंह ङ. स्वर्ण

3. क (iii) ख (iv) ग (v) घ (ii) ङ (i)

4. (i) हमें देश के लिए बलिदान करना चाहिए।

(ii) कोई भी समस्या शान्ति पूर्वक ढंग से हल हो सकती है।

(iii) खाने की इच्छा जागृत हो गई है।

(iv) ये किस जुर्म की सजा है।

(vi) भगतसिंह एक वीर पुरुष थे।

5. (i) जान स्वतंत्रता (ii) ठंडा (iii) बाप (iv) इच्छा (v) इमारत

पाठ – 12

खण्ड – क

1. क. हमें मीठी बोली बोलनी चाहिए।

ख. सुखी वह होता है जो दूसरों के काम आए।

ग. क्योंकि सब कुछ ईश्वर की मर्जी से होता है।

घ. जिस वृक्ष से किसी का भला नहीं होता।

ङ. इन दोहों के रचनाकार रहीम है।

2. क (iii) ख (i) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. दूसरों की भलाई के लिए।

ख. क्योंकि दुर्बल व्यक्ति की हाय लग जाती है।

ग. क्योंकि मातृ भाषा से ही हृदय की प्यास बुझती है।

घ. गुरु का महत्व यह है कि वही हमें प्रभु तक पहुँचने का रास्ता बताता है।

ङ. कबीर कहते हैं कि यदि हरि रूठ जाए तो गुरु रास्ता बता देते हैं मगर गुरु के रूठने पर हरि रास्ता नहीं बताते।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (iv) ख (v) ग (i) घ (ii) ङ (iii)

4. (i) दूसरों के काम आना (ii) ना (iii) शरीर (iv) वाणी (v) पृथ्वी (vi) शरण (vii) हृदय (viii) भले आदमी (ix) काटें

5. (i) रुखा सूखा खाए के ठंडा पानी पीब।

(ii) हमें अपना आपा नहीं खोना चाहिए।

(iii) नदियाँ पवर्तों से निकलती हैं।

(iv) सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

(v) मुसीबत में हरि का नाम जपना चाहिए।

(vi) गुरु को सदैव प्रमाण करना चाहिए।

6. (i) उग्र (ii) मनाना (iii) सबल (iv) जुड़ना (v) गरम (vi) अवनति

7. (i) पेड़ (ii) जवा (iii) पहाड़ (iv) उस्ताद (v) प्रभु

रचनात्मक मूल्यांकन – 3

1. गंदे, पृथ्वी, जन्दबाजी, दूसरों की भलाई, दंगा, दृष्टि

2. क ( ) ख ( ) ग ( ) घ ( )

3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. स्वयं कीजिए।

पाठ – 13

खण्ड – क

1. क. बिल्ली के पास चूहा आया।  
ख. चूहे को देखकर बिल्ली की नींद उड़ गई।  
ग. चूहा बिल्ली के पास ही पसर गया।

2. क (iii) ख (i) ग (iii) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. चूहे को।  
ख. बिल्ली से मस्ती करने।  
ग. क्योंकि बिल्ली षिकार करके ही चूहे की खाना चाहते थी।
2. क. निद्रा ख. हड़बड़ाते ग. आत्महत्या घ. जहरीली ङ. चौकती
3. क (√) ख (×) ग (√) घ (√) ङ (×)
4. (i) फूल का स्पर्श कोयल होता है।  
(i) उसने मुझे खाने का न्योता भेजा है।  
(i) उसने आत्मसमर्पण होता है।  
(i) ईश्वर सर्वव्यक्तिमान होता है।  
(i) संघर्ष से कायाबी मिलती है।
5. (i) ..... (ii) प्रयत्न (iii) मूषक (iv) नेत्र (v) गंगा (vi) मृत्यु
6. स्वयं कीजिए।

पाठ – 14

खण्ड – क

- क. हिमालय आँधी, पानी व तूफान से ना डरने की बात करता है।  
ख. हिमालय संकट के तूफानों में अविचल रहने को कहता है।  
ग. जीवन में सफल होने का तरीका संकट के पलों में अविचल खड़े रहने से ही मिलता है।

2. क (i) ख (ii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. हिमालय आँधी तूफानों में अविचल खड़े रहने की बात करता है।  
ख. मुसीबतों का सामना अविचल होकर करने से हम ऊँचे उठ सकते हैं।  
ग. जो मुसीबतों में भी ना घबराए उसे ही सफलता मिलती है।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (iii) ख (v) ग (i) घ (ii)
4. (i) हिमालय हमारे देश रक्षक है।  
(ii) संकट के समय घबराना नहीं चाहिए।  
(iii) जीवन पथ पर सच्चाई से बढ़ो।  
(iv) मुसीबत के समय अविचल रहो।  
(v) संघर्ष से ही सफलता मिलती है।

5. (i) भय (ii) प्रतिज्ञा (iii) रास्ता (iv) आकाश

6. (i) निडर (ii) आग (iii) नीचे (iv) असफलता

पाठ – 15

खण्ड – क

1. क. लड़की का नाम मिनी था।  
ख. काबुली वाले ने एक ग्राहक को उधार का पैसा ना देने के कारण छुरा मार दिया।  
ग. काबुली वाले को सिपाही जेल ले जा रहे थे।

2. क (i) ख (i) ग (ii) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. उसका स्वभाव बहुत अच्छा था।  
ख. काबुली वाले की झोली में चादर होती थी।

ग. एक ग्राहक ने उसके उधार के पैसे देने से मना कर दिया तो उसने उसे चाकू मार दिया था।

घ. मिन्नी उसे अपनी बेटी जैसी लगती थी।

ङ. पाँच बरस की।

2. क. गुस्सा ख. रहमत ग. नन्हें पंजे घ. रुपये

3. क (√) ख (√) ग (×) घ (√) ङ (√)

4. (i) काबुली वाला (ii) ससुराल (iii) किशमिश (iv) प्रतिदिन (v) वसूल (vi) पौशाक

5. (i) बेटी की विदाई देख कर उसकी आँख भर आई।

(ii) यह कपड़ा धोने के बाद सिकुड़ जाता है।

(iii) मिनी भी अपनी ससुराल चली गई थी।

6. (i) विदेश (ii) प्रफुल्लित (iii) रोना (iv) निरपराध (v) अनर्थ (vi) विष्वास

7. (i) लड़का (ii) हथिनी (iii) माता (iv) बच्चा (v) बेटा (vi) ससुर

8. (i) सड़कें (ii) खिड़कियाँ (iii) लड़कियाँ (iv) बच्चे।

रचनात्मक मूल्यांकन – IV

1. अटल, धब्बा, अडिग, प्रतिज्ञा, पहचान, परिणाम

2. क. (iii) ख. (i) ग. (i) घ. (iii)

3. स्वयं कीजिए।

4. स्वयं कीजिए।

5. स्वयं कीजिए।

संकलित मूल्यांकन – II

1. क. क्योंकि उसके पास क्रिसमस मनाने के लिये पैसे नहीं थे।

ख. वे दोनों नदी किनारे रहते थे।

ग. वे अंग्रेजों को भगाकर स्वाधीनता प्राप्त करना चाहते थे।

घ. गुरु का महत्व ईश्वर से भी अधिक होता है।

ङ. सकटों के समय अविचल खड़े रहने से।

च. चादरें

2. क. क्रिसमस ब. मछली ग. भारत माता घ. हड़बड़ाते हुए च. गुस्सा

3 क ( ) ख ( ) ग ( ) घ ( )

4 जीवन, प्रयत्न, स्वतंत्रता, प्रतिज्ञा, ईश्वर, आकाश, इच्छा, मकान।

5. वह निर्धन व्यक्ति था।

हमें सूर्य को नस्कार करना चाहिए।

हमें देश के लिए बलिदान करना चाहिए।

6. बुढ़िया, ससुर, पिता, बालिका

7. छेर, बुष, कला, धनी, असफलता, दुष्मन।

पाठ — 1

खण्ड — क

1. क. कविता में सुखकारी शब्द सुनने की कामना की गई है।  
ख. मन में सब के सुखी रहने की सद्भावना रहनी चाहिए।  
ग. हम ईश्वर के पुत्र हैं।

2. क (ii) ख (i) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. कानों से सुखकारी शब्द सुने, नयनों से सब जगह शान्ति देखें तथा हाथों से उत्तम कार्य करें।
2. स्वयं कीजिए
3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (ii) ङ (iii)
4. हमें अपना मान बढ़ाने वाले कार्य करने चाहिए।  
यह दृष्ट बड़ा सुखकारी है।  
हमें अच्छी कामना मन में रखनी चाहिए।
5. बस कामना है हमारी।  
अपने कानों से ठीक सुनों।  
अपनी आँखों से देखें।  
मेरे देश का नाम भारत है।
6. नेत्र, हाथ, दिल

पाठ — 2

खण्ड — क

1. क. लड़का बरगद की दाढ़ी व उसके छोटे-छोटे फल व फूलों को देखकर हंसा।  
ख. उसके ऊपर फल गिरे थे।  
ग. बरगद के पेड़ के नीचे।
2. क (i) ख (ii) ग (ii)

खण्ड — ख

1. क. हवा  
ख. पेड़ के नीचे पड़ी पत्तियों को खाने कीड़े जमीन से निकलते हैं जिससे मिट्टी को हवा मिलती है व जड़ें मजबूत होती हैं।  
ग. उसके ऊपर कुछ फल टूटकर गिर गये।  
घ. यही कि पेड़-पौधे व जीव सभी एक-दूसरे के सहारे जीवन यापन करते हैं, कोई छोटा बड़ा नहीं होता।
2. क. वृक्ष ख. छाया ग. गडरिये घ. शीघ्र ङ. प्रकृति
3. क (√) ख (×) ग (√) घ (×)
4. विचित्र, विनम्र, विराट
5. प्रकृति, नम्रता, आग्रह, निर्भर, प्राणी, सर्र, शीघ्र, क्रोध।
6. संज्ञा विशेषण क्रिया  
हवा शीतल बह रही थी।  
वृक्ष विशाल हँसने लगा।  
पत्ते, इल्लियाँ हरे खाती है।  
फलों छोटे-छोटे देखें।

पाठ — 3

खण्ड — क

1. क. मनोहर एक कुम्हार था व बर्तन बनाना था।  
ख. क्योंकि वह एक लड़की थी।  
ग. बड़े खिलौने के बाजार में दो रुपये मिलते हैं।  
घ. अंत में मनोहर ने ललिता को खिलौने बनाना सिखाना मंजूर कर लिया।

2. क (i) ख (iii) ग (ii) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. अपने छोटे बेटे को क्योंकि लड़कियाँ तो अपनी ससुराल चली जाती है।  
ख. उसके पिता बीमार थे।  
ग. ललिता खिलौने बनाना चाहती थी।

घ. टीचर ने ललिता को शहर जाकर खिलौने बेचने का सुझाव दिया।

ङ. मनोहर को पता चला कि लड़कियाँ भी पिता का नाम ऊँचा कर सकती हैं।

च. बड़े साहब ने ललिता की योग्यता को देखकर ईनाम दिया ताकि लड़कियों का हौसला बढ़ सके।

2. क. लड़कियाँ ख. औरतों ग. बैलगाड़ी घ. खिलौने ङ. ललिता

3. क (√) ख (×) ग (√) घ (×) ङ (√) च (×)

4. मूर्ति, खिलौना, पुरस्कार, व्यापारी, डाक्टर, नुमाइश

5. ललिता मूर्तियाँ बनाना सीखना चाहती थी।

मैदान में नुमाइश लगी।

यहाँ से मिट्टी हटा दी।

बैलगाड़ी में बाजार जाएंगे।

उसे खौसी हो गई है।

6. खिलौने लड़कियाँ, मूर्तियाँ, औरतें, बैलगाड़ियाँ, बाजारों

7. स्वयं कीजिए।

पाठ – 4

खण्ड – क

1. क. आचार्य ने कहा, काम बहुत है संभल नहीं रहा, कोई सहायक चाहिए।

ख. परसों शाम तक

ग. आचार्य ने उसे अपना सहायक बनाया जिसने रसायन नहीं बनाया था।

2. क (ii) ख (ii) ग (ii) घ (ii)

खण्ड – ख

1. क. नागार्जुन प्राचीन भारत के रसायन शास्त्री थे। उन्होंने राजा से कहा, एक सहायक चाहिए।

ख. एक पदार्थ की पहचान करने तथा उसकी सहायता से एक रसायन बनाने को कहा।

ग. वह एक बूढ़े व्यक्ति की जान बचाने में लग गया था।

घ. इंसानियत सबसे महत्वपूर्ण है।

2. क. रसायन शास्त्री ख. असाध्य ग. नागार्जुन घ. राजमार्ग ङ. चिकित्सा

3. क (×) ख (√) ग (×) घ (√) ङ (×)

4. प्रयोग + शाला

इच्छा + अनुसार

राज + मार्ग

आज्ञा + अनुसार

5. प्राचीन चक्कर

राजमार्ग मुलाकात

मनुष्य चिकित्सा

6. शायद साध्य

मुख्य आधुनिक

अयोग्य अनुत्तर

निरपराध प्रफुल्लित

रचनात्मक – मूल्यांकन – I

1. घृणा आपस में

उधार पहचान

कलह अपमान

2. क (iii) ख (i) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

4. स्वयं कीजिए।

पाठ – 5

खण्ड – क

1. क. लक्ष्य हमेशा बड़े होने चाहिए।

ख. कर्तव्य पथ पर चलने से मंजिल मिल जाती है।

ग. हमें दौलत के लालच में नहीं फँसना चाहिए।

2. क (ii) ख (i) ग (ii)

खण्ड – ख

1. क. बाधाओं से लड़ते चलो।

ख. कर्तव्य पथ पर चलने से मंजिल मिलती है।

ग. लालच में ना पकड़कर व गलत राह पर न मुड़कर हम पर्वत शिखर को भी छू लेंगे।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (i) ङ (iii)

4. अपना लक्ष्य बड़ा रखों।

अपनी बाधाओं से लड़ो।

तकदीर के भरोसे मत रहो।

लालच बुरी बला है।

पर्वत जैसे शक्तिशाली बनो।

5. उद्देश्य गरीब

रास्ता घाटी

निर्बाध कभी-कभी

असंभव अमीर

कर्म निरुद्देश्य

6. गरीब दौलत

शिखर मंजिल

पर्वत तकदीर

पाठ – 6

खण्ड – क

1. क. योगिता को गीता ने पत्र लिखा।

ख. योगिता छुट्टियों में चित्रकला सीख रही थी।

ग. कुछ बच्चे मिट्टी की एक गेंद बनाकर उसमें एक सूंड लगा देते हैं।

2. क (iii) ख (ii) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. योगिता जानना चाहती थी कि बाल भवन में क्या होता है।

ख. बच्चे मिट्टी से किसी भी आकार की मूर्ति सूंड लगाकर बना देते हैं।

ग. दीप रंगना, रंगोली बनाना, ग्रीनिंग बनाना, मोमबत्ती बनाना आदि।

घ. नया जोष व उत्साह।

2. क. चित्रकला हस्तकला ख. गणेश ग. मुश्किल घ. त्योहार

3. क (iv) ख (iii) ग (i) घ (ii)

4. ताम्र, कच्चा, गत्य स्वाग्रह

5. जिज्ञासु मंदिर के बाहर खड़े थे।

शानदार उत्सव मनाया गया।

आनंद की सीमा ना थी।

दिवाली का त्योहार आ गया था।

6. मटकियाँ, छुट्टियाँ, त्योहारों, गतिविधियाँ, बच्चे, प्रतिभाएं, कंधे।

पाठ – 7

खण्ड – क

1. क. कौषल देश की राजधानी का नाम श्रावस्ती था।

ख. राजा प्रसेन जीत महात्मा बुद्ध के परम भक्त थे।

ग. अंगुलिमाल एक निर्दयी डाकू था।

घ. वह लोगों की अंगुली काट कर अपनी माला में पिरों ले लता था।

खण्ड – ख

1. क. राजा की चिंता का कारण अंगुलिमाल था।

ख. वे डरते थे कहीं डाकू अंगुलिमाल उन्हें मार ना दे।

ग. वह एक भयंकर चेहरे का डाकू था। ऊँचा, गठीला लंबा शरीर, लंबे नाखून, लाल आँखों काला रंग, लाल आँखों, तना हुआ चेहरा आँखों में गुस्सा, हाथ में कृपाण व गले में अंगुलियों की माला पहने था।

घ. वे कहना चाहते थे कि अब तुम भी अपने कर्मों को छोड़ कर सही रास्ते पर आ जा।

ङ. बुद्ध की बातों का उस पर जादू जैसा असर हुआ तथा उसने बुद्ध से अपना पिष्य बनाने की विनती की। फिर वह संत बन गया।

च उस पर बुद्ध की बातों का जादुई असर हुआ।

2. क प्रसेनजीत ख. निर्दयता पूर्वक ग. अंगुलिमाल घ. महात्मा बुद्ध ङ. अज्ञानवश

3. क (√) ख (×) ग (√) घ (×)

4. पवित्र + ता



निर्दयता + पूर्वक

साहस + ई

प्रेम + ई

क्रूर + ता

5. मालाएँ, आँखों, झाड़ियाँ, चरणों, अंगुलियाँ, शब्दों, चेहरों बातें

6. असंत, अकर्म, अज्ञान, अकारण, अपवित्र, अचिंतित, अप्रभाव, अशक्ति

पाठ – 8

खण्ड – क

1. क. बंटी मीनू के घर खेलने गया था।

ख. मीनू के घर खेलने गया था।

ग. होम वर्क करना पड़े इस लिए बच्चे बड़े बनना चाहते हैं।

घ. ताकि भगवान उन्हें बड़ा बना दे।

2. क (iii) ख (i) ग (ii) घ (i) ङ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. बंटी मीनू के घर खेलने गया।

ख. क्योंकि उन्हे होमवर्क करना पड़ता था।

ग. क्योंकि वह बड़ा हो गया था मीनू भी बड़ी हो गई थी।

घ. बड़ों को बहुत काम करने पड़ते हैं।

2. क. कबाड़ खाना ख. होम वर्क ग. अत्याचार घ. टोका-टाकी च्युंगम

3. क (x) ख (x) ग (√) घ (x) ङ (√)

4. आजादी, तरीका, घर के लिए दिया गया कार्य, मुसीबत, धन्यवाद

5. अतिथि, आजादी, हुक्म, यकीन, सूर्य, ईश्वर

6. पापा बच्चा दादी चाची

रचनात्मक मूल्यांकन – II

1. उद्देश्य, तरीका, इच्छुक, मूर्ति, निर्दयी, मुसीबत

2. क (ii) ख (iii) ग (iii) घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

संकलित मूल्यांकन – II

1. क. वे जमीन में गहराई तक धंसी रहती है।

ख. अपने बेटे को क्योंकि लड़कियां तो पराई हो जाती है।

ग. एक रसायन का नाम बताने तथा इससे कोई दूसरा रसायन तैयार करने को कहा।

घ. हमें बाधाओं को लड़कर पार करना चाहिए।

ङ. मिट्टी का गोला बनाकर इस पर हाथ पैर व सँड चिपका देते है।

च. वह महात्मा बुद्ध का शिष्य बन गया था।

2. क. वृक्ष. ख. खिलौने ग. चिकित्सा घ. क्रिसमस ङ. अंगुलिमाल

3. क (x) ख (√) ग (x) घ (√) ङ (x)

4. खिलौने, चरणों, त्योहारों, शब्दों, छिट्टियों, चेहरे

5. यह दृष्य सुन्दर है।

यह मेरे देश की मिट्टी है।

अपना लक्ष्य बड़ा रखो।

आज वसंत उत्सव है।

इस चिड़िया को पिंजरे से मुक्ति दे दो।

6. सुखकारी – सुख देने वाली

विशेष – विष्व का स्वामी

उत्सव – पर्व

नवीनता – नयावन

7. नयन – नंग

छवि – सम्मान

अमीर – धनवान

मेहमान – आगंतुक

तकदीर – किस्मत

हमेषा – सदैव

8. विराट, विचित्र, विनम्र, विषय

पाठ – 9

खण्ड – क

1. क. गाँव वालों को कवि ने सीधा—सच्चा व सरल बताया किसी को ताऊ व किसी को चाचा बताया।

ख. कवि ने नीम को पिता से भी पहले का खड़ा बताया।

ग. इसी नीम के नीचे बैठकर कवि पढ़ा है तथा खेला है।

2. क (ii) ख (i) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. ये गली व गलियारे जहाँ चर्चा आपसी झगड़ें—बखेड़े।

ख. उफनती जिंदगी का तात्पर्य कठिन जिंदगी से है।

पागल अखाड़े का अर्थ अखाड़े में पागल की तरह कुप्ती लड़ते हैं।

ग. पोखर में कवि रोज दोपहर को डुबकी लगाता था।

घ. गाँव का नीम, चौपाल, खेत, उपवन, खाट, गालिया, पनघट, पोखर आदि सभी चीजों में जैसे कवि की जिंदगी बसी हो।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (i) ङ (iii)

4. उपवन, गृह

पेड़, बदरा

5. शहर जवान

कठिन बुरा

धूप दूर

6. संज्ञा किया

कागज चलाना

किशियाँ लगाना

जड़ों पढ़ा है

बादल बौना

बीज बुआना

पाठ — 10

खण्ड — क

1. क. थामस एल्वा एडीसन

ख. वे बचपन में बड़े नटखट थे तथा कुछ ना कुछ शरारत करते ही रहते थे।

ग. तार बिजली के लट्टू रेडियों, सिनेमा सब के सुधार में इनका हाथ था लाडस्पीकर का इन्होंने आविष्कार किया।

2. क (i) ख (i) ग (i) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. एल्वा एडीसन का जन्म 11 फरवरी, 1847 में ओहायो राज्य के मिलान नगर में हुआ था

ख. बचपन में एडीसन बहुत नटखट थे।

ग. स्टेपन मास्टर के बच्चे के एडीसन ने गाड़ी के नीचे आने से बचा लिया इसलिए उन्होंने एडीसन को तार बाबू की नौकरी दिलवा दी।

घ. अपनी वैज्ञानिक प्रतिया के कारण एडीसन वैज्ञानिक जादूगर कहलाए।

2. क. फासफोरस ख. स्टेपन मास्टर ग. त्रुटि घ. एडीसन ङ. कारखाना

3. क (√) ख (×) ग (√) घ (×) ङ (√)

4. विज्ञानिक, इतिहासिक, दैनिक,

5. जीवन निर्वाह करना भी एक कला है।

त्रुटि रह जाना मानव स्वभाव है।

मेरा स्वभाव अच्छा है।

यह यंत्र उसने बनाया

यह पर्याप्त राशि है।

6. मरण जवानी

खरीदना शत्रु

दुखी कम

7. वैज्ञानिक वही बन सकता है जो विचारशील हो वैज्ञानिक प्रत्येक वस्तु को ध्यान से देखता है क्या हम भी वैज्ञानिक बन सकते हैं। हाँ अवश्य।

पाठ — 11

खण्ड — क

1. क. मैडम ने बताया कि पटाखे चलाने से जो गैस निकलती है वह न केवल हमारे बल्कि वनस्पतियों तथा पशु पक्षियों के लिए भी हानिकारक होती है।

- ख. वायुमंडल के चारों ओर ओजोन परत की एक चादर तनी हुई जो सूर्य की पैराबैंगनी किरण को जो हमारे लिए बहुत हानिकारक होती हैं पृथ्वी पर आने से रोकती है।
- ग. धुएँ से होने वाले प्रदूषण से श्वास रोग क्षय रोग तथा हृदय रोग जैसी बीमारियाँ हो जाती हैं जो मनुष्य जाति को बर्बाद कर देती हैं।
- घ. दमा, श्वास रोग, हृदय संबंधी रोग।

2. क (iii) ख (ii) ग (ii) घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. पटाखे पोटोषियम क्लोरेट के साथ गंधक मिलाकर बनाए जाते हैं।
- ख. यह धुआँ ओजोन परत में छेद कर देगा जिससे सूर्य की पैराबैंगनी किरणें पृथ्वी पर आकर पशु-पक्षियों व फसलों को नष्ट कर देगी व पूरी मनुष्य जाति बर्बाद हो जाएगी।
- ग. श्वास रोग, क्षय रोग व हृदय रोग संबंधी बीमारियाँ।
- घ. छात्रों ने निर्णय किया कि वे पटाखे नहीं चलाएंगे व गरीब बच्चों को मिठाई व खिलौने बाँटेंगे।

2. क. फुलझड़ियाँ छतरी ख. मध्यावकाश ग. पोटोषियम

3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (i) ङ (iii)

4. e/; kodk" k हो चुका था।

foKku की अध्यापिका का नाम पूजा है।

inrk.k स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

i Vrk[ks मत चलाइए।

ftnrxh अमूल्य है।

5. विभिन्न, विकास, विषाल, विष्वास

प्रकार, प्रदूषित, प्रकृति, प्रयोग

7. हवा, आकार, धारा, सूरज, दिन

पाठ – 12

खण्ड – क

1. क. शरीर की तुलना मशीन से की गई है।
- ख. देर रात तक टेलीविजन देखने से आँखें कमजोर हो जाती हैं।
- ग. बाजार से लाए फल धोकर खाने चाहिए।

2. क (i) ख (i) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. शरीर की फिट रखने के लिए खेलकूद जरूरी है।
- ख. अच्छे स्वास्थ्य की पौष्टिक आहार सफाई खेलकूद व सुबह सवेरे उठना जरूरी है।
- ग. बाजार की चीजों पर मक्खी बैठ जाती है तथा वे शुद्ध नहीं होती हैं।

2. क. शरीर ख. व्यायाम ग. उठना घ. स्वास्थ्य ङ. ठीक

3. क (√) ख (√) ग (×) घ (×) ङ (√)

4. स्वस्थ, दूषित, टेलीविजन, स्वास्थ्य

- |              |        |
|--------------|--------|
| 5. अस्वस्थ   | गंदा   |
| लाभदायक      | कमजोर  |
| स्वच्छ       | बारी   |
| 6. बीमारियाँ | आदतें  |
| मक्खियों     | हिस्सा |
| पकौडियाँ     | आँखें। |

रचनात्मक मूल्यांकन – 3

1. घना, खोज, जहरीली
2. क (i) ख (i) ग (i) घ (i)
3. गाँव का जीवन पूर्णतः प्रकृति से जुड़ा होता है। शहर का जीवन बनावटी वस्तुओं पर आधारित होता है।
4. स्वयं कीजिए
5. वायु प्रदूषण।

पाठ – 13

खण्ड – क

1. क. लेखिका का जन्म राजस्थान के सिरोही जिले में हुआ था।
- ख. राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू है।

ग. जयपुर को पिक सिटी के नाम से जाना जाता है।

घ. रेगिस्थान का जहाज ऊँट को कहा जाता है।

ङ. जलमहल के नाम से जाना जाता है।

2. क ( ) ख ( ) ग ( ) घ ( ) ङ ( )

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. राजस्थान की देशभक्तों, वीरों तथा राजा-महाराजाओं के नाम से प्रसिद्ध है। यह प्रदेश वीरों की बहादुरी के लिए प्रसिद्ध है।

ख. हल्दी घाटी के मैदान में महाराणा प्रताप व मुगल बादशाह के बीच युद्ध हुआ था।

ग. चित्तौड़गढ़ के राजा कुंभा का बनाया एक विजय स्तंभ के साथ-साथ एक विषाल किला भी है। जिसे चित्तौड़गढ़ का किला कहते हैं।

घ. भरतपुर पक्षी अभ्यारण्य के लिए प्रसिद्ध है।

ङ. राजस्थान की हस्तकला, जवाहारतों की कटाई व आभूषणों की पच्चीकारी यहाँ की मुख्य कलाएं हैं।

2. क. राजस्थान ख. खूबसूरती ग. सुंदर घ. पुष्कर

3. क (iii) ख (iv) ग (v) घ (ii) ङ (i)

4. प्रसिद्ध, प्रताप, प्रमुख

5. R; kX करना एक महान कार्य है।

माऊँट आबू एक n"kuh; स्थल है।

हमें स्वयं को LoLFk रखना चाहिए।

यह एक vuksh[kh बात है।

Ykky fdyk एक ऐतिहासिक स्थल है।

6. महाराजाओं, महलों, हिन्दूओं, झीलें, योजनाएं

7. धीरता, सूबेदार

पाठ – 14

खण्ड – क

1. क. बच्चा कन्हैया बनने की बात कह रहा है।

ख. माँ, मिठाई, खिलौने, माखन, मिसरी, दूध, मलाई देने की बात कह रही है।

ग. माँ का हृदय विकल हो जाता है।

2. क (ii) ख (iii) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. कदंब के पेड़ पर।

ख. बच्चा माँ को बुला रहा है खोलने के लिए।

ग. बच्चा कन्हैया बन कर नई-नई शरारतें करने की कल्पना कर रहा है।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (i) ङ (iii)

4. (i) यह पेड़ बहुत बड़ा है।

(ii) अम्मा मुझे खिलौने देती है।

(iii) माँ आज बहुत खुश है।

(iv) माँ का आंचल बहुत प्यारा होता है।

(v) माँ की गोदी में सारा प्यार होता है।

5. बाँसुरी – बचैन

टहनी – हृदय

स्वर – विनती

6. हँसना = हँस + कर छिपना = छिप + कर

घबराना = घबरा + कर बैठना = बैठ + कर

7. मैं हँस कर सबसे ऊपर की टहनी पर चढ़ जाता मुझे काम करते देखने तुम बाहर तक आती माँ के हृदय का विकास हो जाता है।

पाठ – 15

खण्ड – क

1. क. चौद पृथ्वी से दो लाख मील से भी अधिक है।

ख. दादा जी ने बच्चों को चौद की सैर नामक पुस्तक दी।

ग. अंतरिक्ष में केवल शक्तिदायक पौष्टिक गोलियाँ ही खाते हैं।

घ. चाँद पर पहला कदम नील आर्मस्ट्रांग ने रखा था।

2. क (ii) ख (iii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. चाँद पर पेड़-पौधे नहीं हैं। क्योंकि वहाँ पर हवा नहीं है।

ख. नील आर्मस्ट्रांग, 21 जलाई, 1969 को चाँद पर पहुँचे।

ग. क्योंकि मनुष्य ने धरती से चाँद को देखा था आज। कोई मनुष्य चाँद से धरती को देख रहा था।

घ. चाँद पर पहुँचता बड़े गर्व की बात है क्योंकि पहली बार मनुष्य को इतनी बड़ी सफलता मिली है।

ङ. दोनों चाँद पर चलने लगे।

2. क. आकृतियाँ ख. आवाज ग. पृथ्वी घ. गुरुत्वाकर्षण ङ. अंतरिक्ष

3. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (✓) ङ (×)

4. अंतरिक्ष, आनंद, चाँद, कुआँ, पहुँचा, पंद्रह, कंकड़, चुंबकीय।

5. स्वयं कीजिए।

6. अंधेरा	प्रकाश
ज्यादा	पराजय
जीना	कठिन
सामान्य	शक्तिवान
दुविधा	पाताल

7. क. बहुत ख. कुछ ग. अधिक घ. बहुत

पाठ – 16

खण्ड – क

1. क. क्योंकि बच्चों ने कभी मेला देखा नहीं था।

ख. क्योंकि मामा जी बड़े आदमी थे।

ग. बहुत भीड़ देखी, बहुत सी दुकानें, खिलौने, कपड़े, चुड़ियाँ, मिठाई और चार समोसे आदि।

घ. मेले में मामा जी का व्यवहार बच्चों को अच्छा नहीं लगा।

2. क (i) ख (ii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. उन्होंने बहाना बनाया कि वे बहुत थक गए हैं।

ख. हमें घर का खाना खाना चाहिए। बाहर का खाने से पेट खराब हो जाता है। हैजा, दस्त, उल्टी लग जाते हैं।

ग. सर्कस देखने व झूला झूलने।

घ. क्योंकि दुकानवाला 130 रु. मांग रहा था व मामा जी 70 रु. दे रहे थे।

ङ. क्योंकि मामा जी कंजूस थे।

2. क. रोमांचभरा, जिज्ञासा ख. खलनायक ग. रौद्र घ. पैर पेट ङ. दोगुने

3. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (×)

4. शहर	सवाल
खुष	प्यास
दर	बुरा

5. वर्ष	नाम
आकाश	जानकारी
बसंत	नम

6. उसकी ftKkl k बढ़ गई थी।

वहाँ की जमीन catj थी।

हमें le>nkjh से काम लेना चाहिए।

यह nqku बंद है।

पाठ – 17

खण्ड – क

1. क. होली खेलों में सोना लाई।

ख. जंगल में टेसू फूल गया

ग. सूरज चंदा सब सुबदार्द है।

2. क (i) ख (i) ग (ii) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. खेतों में फसल पकने लगती है।  
 ख. फसल पकने थी खुशी में।  
 ग. एक-दूसरे पर रंग अलकर।  
 घ. मल्हार।  
 ङ. यह त्योहार आपस में प्रेम से रहने का संदेश लेकर आता है तथा मिल-जुल कर काम करने का भी।
2. स्वयं कीजिए।
3. क (iv) ख (i) ग (v) घ (iii) ङ (ii)
4. मली, गोली, घूल, मंगल, चलका
5. नfu; k बहु बड़ी है।  
 कkgj बहुत अंधेरा था।  
 वेjkbz का आंगन महका।  
 वहाँ की धरती बंजर
6. वायु  
 कोकिला  
 वन  
 वर्ष  
 धरती  
 जानकारी

रचनात्मक मूल्यांकन – 4

1. बहादुर महिला, इच्छा, उर्स, प्रार्थना, बेचैन, अदभुत
2. क (i) ख (ii) ग (ii) घ (ii)
3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. स्वयं कीजिए।
1. क. क्योंकि वह विज्ञान के चमत्कार दिखता रहता था।  
 ख. इन गैसों से ओजोन पर्त पर दाग पड़ जाते हैं।  
 ग. शरीर को दुरुस्त रखने के लिए खेल कूद आवश्यक है।  
 घ. राजस्थान अपने राजा महाराजाओं व वीरों के लिए प्रसिद्ध है।  
 ङ. कदंब के पेड़ पर बैठकर।  
 च. चौद पर सर्वप्रथम नील आर्मस्ट्रांग 21 जुलाई, 1969 को पहुँचा।
2. क. स्टेशन मास्टर ख. पैसे बैंगनी ग. शरीर घ. राजस्थान
3. क (√) ख (√) ग (√) घ (×)
4. सरल, सुविधाएं, दूषित, जय, प्रकाशों, ताजें।

पाठ — 1

खण्ड — क

1. क. कविता के रचियता सर्वेश्वर दयाल सक्सेना है।  
ख. पिंजड़े से चिड़ियाँ उड़ जाएगी।  
ग. दुनिया बहुत निर्मम है, दाना नहीं है, बहेलिए का डर होता है।

2. क (i) ख (i) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. दाना पानी ना मिलने का उर, बहेलिए का डर रहता है।  
ख. क्योंकि आजादी का मजा ही कुछ अलग होता है।  
ग. चिड़िया को क्योंकि बाहर की दुनिया बहुत निर्मम है।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (iii) ख (iv) ग (i) घ (ii)

4. चिड़िया मुक्ति चाहती है।

बाहर उसके मारे जाने की आशंका है।

चिड़िया पिंजरे से मुक्ति चाहती है।

बाहर की दुनिया बहुत निर्मम है।

बहेलिए का डर है।

5. गला, भाग, पृथ्वी, सागर, सरिता

पाठ — 2

खण्ड क

1. क. जलालपुर नामक गाँव में पानी का अकाल पड़ा।  
ख. गाँव में एक तालाब खुदवाया जाय उसमें वर्षा का पानी भर जाएगा जो गाँव वालों के पीने के काम आएगा।  
ग. क्योंकि परिश्रम करके उसे धन मिलने लगा।  
घ. परिश्रम से कमाया गया धन ही हमारे काम आता है। परिश्रम मनुष्य का सबसे अच्छा गुण है।

2. क (i) ख (ii) ग (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. गाँव के लोग गाँव छोड़कर जाने लगे।  
ख. क्योंकि परिश्रम से कमाया धन ही हमारे काम आता है।  
ग. क्योंकि चोर ने उसे परिश्रम से नहीं कमाया था।

2. क. सफल ख. तालाब ग. महात्मा जी घ. मेहनत ङ. धन

3. क (x) ख (x) ग (√) घ (√)

4. कामचोरी असफल

बुरी सीधी

अवगुण गीली

5. मनुष्य दुःख

खुदाई अनुरोध

जादुई कृतिया

6. धन जीवन के लिए अति आवश्यक है।

वह मजदूरी करके अपना पेट भरता है।

उसने सत्य बोलने की प्रतिज्ञा की।

उसकी सेना पलायन कर गई।

उसने परिश्रम करके सफलता प्राप्त की।

7. अपनापन, मानवता, स्नेही, मित्रता, शीघ्रता, मूर्खता।

पाठ — 3

खण्ड — क

1. क. निर्धन लड़के ने अकल की दुकान खोली।  
ख. निर्धन लड़के ने शहर में दुकान खोली।  
ग. लड़के ने बेचा किसी भी काम को करने से पहले खूब सोच लेना चाहिए।  
घ. राजा को उसके मंत्री ने दवा में मिलाकर प्याले में जहर मिला कर दिया। राजा ने प्याले पर लड़के की बात लिखवा दी थी। उसे पढ़कर राजा ने प्याला नीचे रख दिया। मंत्री ने समझा उसका माँडा फूट गया तो उसने राजा से क्षमा माँगी।

2. क (i) ख (ii) ग (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. एक दिन उसे शहर जाकर बुद्धि से धन कमाने की बात सोची तथा वह शहर आ गया।  
ख. सेठ के लड़के ने सोचा कि बुद्धि खरीद कर पिता जी को दिखाऊंगा तो वे खुश हो जायेंगे।  
ग. क्योंकि वह निर्धन लड़के से हुए करार से बंधा था।

2. क. माता पिता ख. धन कमाने का ग. हस्ताक्षर घ. दासियाँ ङ. पागल

3. क (x) ख (x) ग (√) घ (√) ङ (√)

4. बुद्धिवान बेहोश  
मंहगी अनुपयोगी  
निबुद्धि लापरवाह

5. बुद्धि + मत्ता = बुद्धिमत्ता सबल + ता = सबलता

6. सर्वाप्रिय, निर्धन, निष्कपट, दूरदृष्टिवान, बुद्धिमान

पाठ – 4

खण्ड – क

1. क. शेर बुढ़ापे से हार गया था।  
ख. शेर तीन दिन से भूखा था।  
ग. शेर की अंतिम इच्छा थी कि मरने के बाद वह गुफा लोमड़ी ले ले।  
घ. खरगोष गुफा के सामने बैठकर घास खा रहा था।

2. क ( ) ख ( ) ग ( ) घ ( ) ङ ( )

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. मैं कभी किसी से नहीं हारा, आज बुढ़ापे से हार गया।  
ख. उसे लकवा हो गया था।  
ग. वह लोमड़ी को बुला लाया।  
घ. ताकि वह लोमड़ी को खा सके।

2. क. शक्ति ख. लकवे ग. विश्वास घ. निश्चय ङ. लोमड़ी

3. क (x) ख (x) ग (x) घ (√) ङ (x)

4. निडर गम  
अविश्वास अकारण  
बुरा हानि
5. दया पर्वत  
राजा आखिरी  
सिंह वन  
चाह तन

6. नैतिकता, शालीनता, स्वाधीनता, स्वतंत्रता

पाठ – 5

1. क. गंगा, यमुना, सतलुज, कावेरी, ब्रह्मपुत्र, अलखनंदा, स्वेज हिडन।  
ख. कविता में भारत के अनुपम सौंदर्य का वर्णन किया गया।  
ग. गौतम बुद्ध ने जग को दया का दीया दिखाया।  
घ. श्री कृष्ण ने वंशी बजाई।

2. क (iii) ख (iii) ग (ii) घ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. भारत का प्राकृतिक सौन्दर्य अनुपम है।  
ख. भारत को पुण्य भूमि, कर्म भूमि, जन्म भूमि, मातृ भूमि, स्वर्ण भूमि, धर्म भूमि, युद्ध भूमि, बुद्ध भूमि आदि रूपों में दिखाया गया है।  
ग. हिमालय ऊँचा खड़ा आकाश की चूमता है।  
घ. श्री कृष्ण, राम व गौतम बुद्ध जैसे महापुरुष भारत में पैदा हुए।  
ङ. लोगों को जीने का उचित मार्ग दर्शन करना।

2. स्वयं कीजिए।

3. क (ii) ख (vi) ग (v) घ (iii) ङ (iv)

4. पवित्र यमुना



मस्त	झाड़िया
ऊँचा	हिमालय
नई	छंटाए
पुनीत	गीता

5. पर्वत, धरा, पवन, सागर

6. तन, सीता, चल, महक

पाठ – 6

खण्ड – क

1. क. अमीर भावना की नाव में हीरे—मोती, सोना—चांदी, धन—दौलत भरे थे।

ख. प्रेम भावना अंतिम छल तक टापू पर रहना चाहती थी।

ग. दुख भावना ने कहा, मैं तो पहले से ही दुखी हूँ। मुझे और दुखी मत करो। मुझे अकेला रहना ही अच्छा लगता है।

घ. प्रेम भावना की जान समय ने बचाई।

2. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (✓) ङ (✓)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. प्रेम भावना ने

ख. दुनिया नहर हो जाएगी।

ग. उसकी नाव में धन—दौलत भरी थी।

घ. दुख भावना ने।

ङ. वृद्ध स्त्री बुद्धि तथा पुरुष समय था।

2. क. भावनाओं ख. अमीरी ग. नाव घ. ठिकाना ङ. उमंग

3. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (✓) ङ (✓)

4.	असुन्दर	युवा
	दुख	निर्धन
	गरीबी	आसान
	घृणा	बुरा

5. सोती चूमने

सस्ती दुख चापू

पाठ – 7

खण्ड – क

1. क. हाकी भारत का सबसे पुराना खेल है।

ख. खेलों से शरीर में रुधिर का संचार होता है।

ग. सन् 1925 में भारत में हाकी संघ की स्थापना हुई।

घ. हिटलर जर्मनी का एक तानाशाह था।

2. क (✓) ख (✓) ग (✓) घ (✓) ङ (✓)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. खेल मानव जीवन का एक अभिन्न अंग है।

ख. भारत को हाकी के कारण संसार में प्रसिद्धि प्राप्त हुई।

ग. 1964 में भारत ने अपना खोया हुआ गौरव पुनः प्राप्त किया।

घ. सन् 1928 में पहली बार भारत ओलंपिक में उतरा।

ङ. 1928 में हॉकी में प्रदर्शन के कारण ध्यानचंद हाकी के जादूगर कहलाए।

4. कटु अस्वास्थ्य

हार पराजय

5. हमें खेल ifr; kxrk में भाग लेना है।

हमें इसका if" k(k.k लेना है।

मुझे l oU\$ B खिलाड़ी घोषित करना है।

उसकी ifl nf/k पूरे भारत में फैल गई।

उसकी सुन्दर fprRkd' kd है।

6. हार, पहाड़, तेज, रक्त, प्रसन्नता।

पाठ – 8

खण्ड – क

1. क. सोम बड़े सड़क के साथ मैदान में भेड़े चरा रहा था।

ख. घुड़सवार ने पहेली न बुझ पाने के कारण हार मान ली।

ग. सबसे अच्छी भेड़ जो ना सफेद हो ना काली ना भूरी और न ही चितकबरी ना किसी दूसरे रंग की।

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड – ख

1. क. खुशी के उत्साह में।

ख. चालाकी भरा जवाब।

ग. फर की टोपी

घ. जो ना सफेद हो ना काली ना भूरी ना चितकबरी ना ही किसी अन्य रंग की।

ङ. उसके उत्तर से खुश होकर।

2. क. चतुर ख. अच्छी ग. तेज घ. सुशीली ङ. सुन्दर

3. क (×) ख (√) ग (×) घ (×)

4. बुढ़ापा दुख  
आकाश गरीब

5. वह बहुत बुद्धिमान था।

उसकी आवाज मधुर थी।

वह चुपचाप चला गया।

वह मैदान में खेल रही थी।

यह पहेली बहुत अच्छी है।

6. छड़ियाँ, घोड़े, टोपियाँ, भेड़ें

7. अमीर गरीब

विनम्र बूढ़ा

प्रसन्न

8. धरा, जल, अश्व, नभ

रचनात्मक मूल्यांकन – 2

1. चंदन अंजान

आखिरी हार

तरक्की प्यार

2. क (iii) ख (ii) ग (ii) घ (iii)

3. गंगा, जमुना, सिंध, ताप्ती, सरस्वती

4. स्वयं कीजिए।

5. स्वयं कीजिए।

1. क. क्योंकि परिश्रम से कमाया धन ही काम आता है।

ख. क्योंकि वह वहाँ बुदाधि की दुकान से पैसा कमाना चाहता है।

ग. क्योंकि उसके पैर खराब हो गए थे।

घ. उसकी नाव में धन भरा हुआ था।

ङ. वह उससे बहुत प्रसन्न था।

2. क. सफल ख. हस्ताक्षर ग. विश्वास घ. ठिकाना ङ. सुरीली

3. क (×) ख (×) ग (√) घ (√) ङ (√)

4. आराम असुन्दर

बेवकूफ पराजय

अविश्वास गरीब

5. सगर

बदन

वायु

पहाड़

6. हमें कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए।

परिश्रम का फल मीठा होता है।

यह बंधन पवित्र है

आज प्रतियोगिता का दिन है।

वे चुपचाप चले गए।

7. भटकना—गटकना, सीता—गीता, लहर—शहर

पाठ – 9

खण्ड – क

1. क. बूंद असमंजस में थी।  
 ख. बूंद सीप के मुँह में जाकर गिरी।  
 ग. यही सोचकर कि उनका क्या होगा।  
 घ. कवि बूंद के माध्यम से पलायनवादी व्यक्तियों के निरुद्देश्य घर को छोड़ने और उनके मनोभावों का वर्णन किया है।
2. क (i) ख (i) ग (i) घ (ii)
3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।  
 ख. हवा के वेश में बहकर।  
 ग. सीप में गिरकर बूंद मोती बन गई।  
 घ. सीप में गिरकर।  
 ङ. हमें निरुद्देश्य नहीं घूमना चाहिए।
2. स्वयं कीजिए।

3. बूंद फल  
 सीप मोती  
 मुँह

4. पानी असुन्दर  
 पीछे दुर्भाग्य  
 बँधा बेघर

5. वह बड़ा भाग्यशाली है।  
 अंगीठी में अंगारे दहक रहे हैं।  
 यह मोती कहाँ से आया।  
 बच्चा माँ की गोद में बैठा है।  
 बूंद-बूंद कर तालाब बनता है।

6. सागर, गृह, पुष्प, बदरा, पवन

7. क (iii) ख (iv) ग (ii) घ (i)

पाठ — 10

खण्ड — क

1. क. असम में पहाड़ की तलहटी में गाँव में आदिवासी रहते थे।  
 ख. मंदिर में मूर्तियाँ नहीं हैं।  
 ग. हथिनी ने गाँव के एक बच्चे की बाघ से जान बचाई थी।

2. क (i) ख (i) ग (iii) घ (ii) ङ (iii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. हाथियों को भोजन सामग्री देकर।  
 ख. जंगल में गढ़वे खोदकर।  
 ग. हाथियों से।  
 घ. गढ़वे में लकड़ी डालकर।  
 ङ. क्योंकि गढ़वे में हथिनी का बच्चा गिर गया था।
2. क. हाथी ख. के पीछे ग. के बीच घ. के पीछे ङ. के साथ
3. क (√) ख (√) ग (√) घ (√) ङ (×)

4. उधर सुख  
 बुरा सफेद  
 मित्र जानवर  
 वहाँ बेघर  
 अन्याय जीत

5. मंजन मंगल  
 चल माल  
 लूटा खड़ा

6. माता, सूर्य, पर्वत, वन, गज

पाठ — 11

खण्ड — क

1. क. गाँधी जयंती 2 अक्टूबर को मनायी जाती है।

- ख. ईसा मसीह का जन्म दिन क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है।  
 ग. स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है।  
 घ. ओणम का त्योहार केरल में मनाया जाता है।  
 ङ. साल में दो ईद मनाई जाती हैं।

2. क (iii) ख (i) ग (ii) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर रहते हैं।  
 ख. गाँधी जयंती गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता दिवस।  
 ग. हिरण्यकश्यप प्रह्लाद की कथा।  
 घ. भगवान राम की वन से लौटने व रावण पर विजय की कथा।  
 ङ. पोंगल तमिलनाडु में मनाया जाता है।
2. क. गणतंत्र ख. महात्मा गांधी ग. 14 जनवरी घ. होली ङ. बैसाखी

3. क (×) ख (×) ग (√) घ (√) ङ (√)

4. दिन विशाद

घृणा सस्ता

अपवित्र हानि

प्राचीन अज्ञात

5. विद्यालय विद्यार्थी

पुस्तकालय इलाहाबाद

जन्म दिन प्रतिदिन

जन्माष्टमी दीवावली

6. भगवान, कृष्ण, निर्धन, आदमी, गणपति, विद्या

पाठ — 12

खण्ड — क

1. क. अर्जुन पशुपति नामक दिव्यास्त्र पाना चाहते हैं।  
 ख. अर्जुन भगवान शिव की आराधना कर रहे थे।  
 ग. किरात का शरीर बहुत बलिष्ठ था।  
 घ. किरात के पास धनुष बाण थे।  
 ङ. अर्जुन का युद्ध किरात के साथ हुआ।

2. क (iii) ख (ii) ग (ii) घ (ii) ङ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. पशुपति नामक दिव्यास्त्र प्राप्त करके के लिए।  
 ख. वे अर्जुन के धैर्य थी परीक्षा लेना चाहते थे।  
 ग. शूकर के कारण  
 घ. वे भगवान शिव की आराधना करना चाह रहे थे।  
 ङ किरात क्योंकि किरात के रूप में षंकर जी थे।
2. क. पांडव ख. बाण ग. अमोघ घ. बलिष्ठ ङ. अर्जुन

3. क (√) ख (√) ग (×) घ (√) ङ (√)

4. विक्रय कमजोर

निष्कर्ष दुर्गंध

अपयश मृत

दुराचारी हार

5. वनवासी, अमोघ, बदन, दिव्यास्त्र, अजेय

6. शंकर, जीवन, संगिनी, बदन, ध्यान, अमृत, आदिवासी

7. तपस्या अर्जुन

मृगचर्म शिकार

शिवलिंग धनुर्विद्या

रचनात्मक मूल्यांकन — 3

1. बेचैन गंभीर

सावधान प्रकाश

सत्कार सदैव

2. क (i) ख (ii) ग (iii) घ (ii) ङ (iii)
3. स्वयं कीजिए।
4. स्वयं कीजिए।
5. अर्जुन अपने समय के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे। क्योंकि इस विद्या में कोई उन्हें हरा नहीं सका था।

पाठ — 13

खण्ड — क

1. क. लाला लाजपतराय पंजाब केसरी के नाम से पहचाने जाते हैं।  
ख. उनके पिताजी अध्यापक थे।  
ग. वकालत के क्षेत्र में।  
घ. अपने मित्र हंसराज के सहयोग से उन्होंने दयानंद एंग्लो विश्व विद्यालय की स्थापना की।

2. क (ii) ख (ii) ग (ii) घ (ii) ङ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1866 को पंजाब के ढुडी गाँव में हुआ था।  
ख. लाला लाजपत राय ने स्टेशन पर लोगों का एक बड़ा जुलूस लेकर साइमन गो बैक के नारे लगाए।  
ग. क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने के।  
घ. उन्होंने चालीस हजार रुपये की सहायता विश्वविद्यालय खोलने में की।  
ङ. 17 नवंबर, 1928 को इस शूरवीर ने अंतिम साँस ली।
2. क. दयालु ख. लौहार ग. गुलाम घ. कठोरता ङ. दोष
3. क (√) ख (√) ग (×) घ (×) ङ (√)
4. अशुद्ध परतंत्रता  
निष्क्रिय बेईमानी  
अशिक्षित अपूर्ण
5. यह हार बहुत कीमती है।  
हमें अपनी हार के कारण तलाश करने चाहिए।  
वे कल दिल्ली जाएंगे।  
वह कलपुर्जों की दुकान करता है।
6. क्रांतिकारी जरूरत मंद  
युवाओं देशवासियों  
लाठियाँ प्राणों  
सेनानियों विचारों
7. वरिष्ठ क्रांतिकारी  
बलिदान भविष्यवाणी  
केसरी स्वभाव

पाठ — 14

खण्ड — क

1. क. सच्ची शिक्षा चरित्र निर्माण कर्तव्य ज्ञान है।  
ख. यह पत्र 25 मार्च, 1909 की लिखा गया।  
ग. तीन महत्वपूर्ण बातें हैं अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा साधन प्राप्त करना।  
घ. बा के स्वास्थ्य के बारे में गाँधी जी को डिप्टी गवर्नर ने बताया।

2. क (ii) ख (iii) ग (i) घ (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. क्योंकि गाँधी जी को पढ़ने के समय पुत्र का ही ध्यान रहता था।  
ख. गाँधी को आशा थी कि जो जिम्मेदारी उन्होंने पुत्र पर डाली थी उसे वह ठीक से निभा रहें होंगे।  
ग. अमीरी की तुलना में गरीबी में अधिक सुख है।  
घ. काम की अधिकता से मनुष्य घबरा जाता है क्योंकि उसे यह समझ नहीं आता कि कौन सा काम पहले करूं।  
ङ. 12 वर्ष की आयु के बाद बच्चों को अपने कर्तव्य व जिम्मेदारी का ज्ञान होना चाहिए।
2. क. सर्वोदय ख. बराबर ग. तनिक घ. साबूदाना ङ. संस्कृत
3. क (√) ख (√) ग (×) घ (×) ङ (√)
4. उदासी उत्तरदायित्व  
दुष्प्रभाव गैर-जिम्मेदारी  
नापसंद कुचेष्टा

5. अज्ञान, असत्य, अशांति, असंतोष, उम्र, माता

पाठ — 15

खण्ड — क

1. क. लेखक को कश्मीर चलने का निमंत्रण फोन पर मिला।  
ख. आक्सीजन की कमी होने लगती है।  
ग. छड़ी मुबारक श्रीनगर में शिवलिंग का प्रतीक है।  
घ. महनगुनस की चोटी की ऊँचाई साढ़े चौदह हजार फुट है।

2. क (ii) ख (iii) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. क्योंकि उसकी पत्नि इसे विदा करने आयी थी।  
ख. लिददर नदी।  
ग. टटटू की सवारी करने में।  
घ. पतनीटाप आकर लेखक को अच्छा लगा।

2. क. लिददर ख. हरियाली ग. पापों घ. टैंट

3. जल, तन, पहाड़, भगवान

4. भय बुढ़ापा  
गर्म अस्वास्थ्य  
बदरंग असुन्दर

5. क (ii) ख (iv) ग (v) घ (iii) ङ (i)

6. उपसर्ग मूल शब्द  
अ समर्थ  
स्व आस्था  
प्र सिद्ध  
टा चरण  
अ सामान्य  
स्व भाव  
अ पूर्ण  
अति रिक्त  
सु शील

पाठ — 16

खण्ड — क

1. क हमारे चारों ओर के वातावरण को पर्यावरण कहते हैं।  
ख पेड़-पौधे, ऋतुएं, पक्षी, वायु, जल ये सब प्रकृति की अनुपम भेंट हैं।  
ग वायु प्रदूषण से फेफड़े व साँस संबंधी बीमारी होती है।

2. क (i) ख (ii) ग (i) घ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. हमारे आसपास के वातावरण में अशुद्ध तत्वों का मिलना पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है।  
ख. मिट्टी में यदि अशुद्धिया मिल जाएं तो उसे मृदा प्रदूषण कहते हैं।  
ग. कार्बन मोनोक्साइड सल्फर डाई अक्साइड।  
घ. मानव ही पर्यावरण के प्रदूषित होने का कारण है तथा मानव को ही इसे बचाने का प्रयास करना चाहिए।
2. क. सुख-सुविधाओं ख. जल ग. नियमपूर्वक घ. लाउडस्पीकर ङ. पर्यावरण
3. पर्यावरण को स्वच्छ बनाइये।  
दूषित जल का प्रयोग ना करे।  
प्रदूषण के दुष्प्रभाव बहुत हानिकारक होते हैं।  
प्राकृतिक संपदा अमूल्य होती है।  
हमें वातावरण की शुद्ध बनाने के प्रयास करने चाहिए।

4. दुख असुविधा  
प्राचीन अनियमित  
अनियमित

5. क (i) ख (ii) ग (i) घ (ii) ङ (i)
6. चौद, हवा, पानी, धरती
7. क (ii) ख (iv) ग (i) घ (iii)

पाठ — 17

खण्ड — क

1. क. एक बार फारस के राजा का दूत अकबर के दरबार में आया।  
ख. पिंजरे में आदमकद शेर की मूर्ति थी।  
ग. बीरबल ने शेर को छू कर देखा।  
घ. बीरबल ने शेर को पिंजरे से निकालने का निर्णय लिया।  
ङ. सेवक ने कहा।

2. क (ii) ख (ii) ग (i)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. कि वह इस शेर की मूर्ति को उपहार स्वरूप स्वीकार करें व पिंजरा बिना तोड़े वापस कर दे।  
ख. धातु की  
ग. लोहे की गर्म छड़े लगा कर।  
घ. बहुत से पुरस्कार।  
ङ. दो दिन का समय मांगा काम होने के लिए।
2. क. और ख. पहली ग. काम घ. दो ङ. पिघल
3. क (x) ख (√) ग (√) घ (√) ङ (√)
4. यह उपहार स्वीकार कीजिए।  
पिंजरे का निरीक्षण करो।  
अकबर ने आदेश दिया।  
मोम पिघल गया था।  
इसमें कोई परेशानी नहीं थी।  
अब शायद ही कोई आए।
5. पर, गुजारिश, पहली, ध्यानपूर्वक  
मूर्ति, पिंजरा, निरीक्षण, सेवक
6. सिंह, नृप, भेट, दरवाजा, दिन, वक्त।
7. पिंजरे                      मूर्तियाँ  
सेवकों                    परेशानियाँ  
धातुएं                    पटेलियाँ  
राजाओं                  पुतले  
छड़ें                        भट्टियों

पाठ — 18

खण्ड — क

1. क. भूखे प्यासे मर जाएंगे।  
ख. पिंजरे में बंद कर देने पर वे गा नहीं पाएंगे।  
ग. नीले आसमान में उड़ान भरने की चाह है।  
घ. वे चाहते हैं कि उनकी उड़ान में विघ्न न डाला जाए।  
ङ. वे तारक-अनार के दाने खाने को चाहते हैं।

2. क (iii) ख (ii) ग (iii) घ (ii) ङ (ii)

3. स्वयं कीजिए।

खण्ड — ख

1. क. पंछी निवेदन करते हैं कि हमें पिंजरे में कैद ना करें।  
ख. वे आकाश में उड़ते रहना चाहते हैं।  
ग. वे कैद में रहकर ना उड़ सकते हैं, ना ही पेड़ की टहनी पर झूला झूल सकते हैं।  
घ. वे पेड़ की टहनी पर झूला झूलने के सपने देखते हैं।  
ङ. आजादी का भोजन कैद के भोजन से अच्छा होता है।
2. स्वयं कीजिए।
3. क (iii) ख (iv) ग (ii) घ (ii)
4. इन्मुक्त                      पुलकित  
कटुक                        फुनगी

चुगते आगल

5. कैद के बंधन किसी को भी भले नहीं लगते।  
वह छत पर खड़ा क्षितिज को निहार रहा है।  
यह मेरे अरमान है।  
अब वे उसके आश्रम में है।  
मेरे कार्य में विघ्न ना डालिए।

6. आकाश, पक्षी, पानी, घोंसला, सोना

7. नीडे, पंखों, दाने, निबौरिया, सपने, किरणें, झूले, साँसे, पिंजरे।

रचनात्मक मूल्यांकन – 4

1. (i) शासन (ii) कवर  
(iii) मतलब (iv) दुर्घटना  
(v) याद (vi) मौका

2. क (ii) ख (ii) ग (ii) घ (i) ङ (ii)

3. लाला लाजपत राय का जन्म 28 फरवरी, 1866 में पंजाब के दुड़ी गाँव में हुआ था। उनके पिता श्री राधाकृष्ण जी शिक्षक थे। लाला जी की उच्च शिक्षा लाहौर में हुई थी। वकालत करने के बाद उन्होंने हिसार में जाकर सामाजिक कार्यों का आरम्भ किया। वहीं से उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया। 1928 में साइमन कमीशन का विरोध किया तथा 17 नवंबर, 1928 के दिन अपनी अंतिम साँस ली।

4. स्वयं करें।

5. स्वयं करें।

संकालित मूल्यांकन – 2

1. क. सीप में गरकर बूंद मोती बन गई।

ख. लकड़ियों के साहरे उसे गड्ढे से बाहर निकाला।

ग. भगवत शंकर ने पशुपति दिव्यास्त्र अर्जुन को प्रदान करने से पहले उनकी धैर्य की परीक्षा ली।

घ. 28 फरवरी, 1866 को लाला लाजपत राय का जन्म हुआ।

ङ. हमें प्रदूषण पर नियंत्रण करके पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए।

2. क. 14 जनवरी ख. अमोघ ग. लाहौर घ. तनिक ङ. लाउडस्पीकर

3. क (x) ख (√) ग (√) घ (√)

4. मित्र निष्क्रिय  
अपवित्र विषाद  
बुढापा

5. भगवान

अमरता

जल

दुनिया

6. हमें HkkX; के बजाय कर्म पर भरोसा करना चाहिए।

सीप में गिरकर बूंद ekrih बन गई।

दूषित जल के प्रयोग से chekjh होती है।

ikdfird संपदा अमूल्य होती है।

lk; kbj.k का संरक्षण करना चाहिए।

7. जल प्रदूषण – डायरिया

भाग्य में – क्या बदा

मिलूंगी – धूल में

मृदा प्रदूषण – उर्वरा शक्ति कम होना।